twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | रविवार, 20 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 164, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली: मुस्तफाबाद में इमारत ढहने से 11 की मौत

दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार तड़के एक इमारत ढह गई, जिसके मलबे में कई लोग फंस गए। अबतक इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 8 लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में मकान मलिक तहसीन (60) की भी मौत हो गई है। मौके पर एनडीआरएफ, दमकल, दिल्ली पुलिस और स्थानीय लोग बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। चार मंजिला इमारत आज तड़के 2.39 बजे अचानक जमींदोज हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने इस हादसे में 11 लोगों के मरने की पुष्टि करते हुए इनके नामों की सूची भी जारी की है। मृतकों में तीन महिलायें और चार बच्चे भी हैं। इनमें आठ लोग एक ही परिवार के हैं। हादसे में 11 लोग घायल हैं, जिनमें से 6 को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और 5 का इलाज अब भी जारी है। माना जा रहा है कि हादसे के समय इमारत में 22 से 24 लोग मौजूद थे। एनडीआरएफ के अधिकारियों के मुताबिक उनकी टीम आज सुबह 4.50 बजे घटना स्थल पर पहुंची थी। उनके पहुंचने से पहले ही 10 से 15 लोगों को स्थानीय लोगों और अन्य एजेंसियों ने मलबे से निकाल लिया था। अबतक एनडीआरएफ ने 8 लोगों को निकाला है, जिनमें से 7 अचेत अवस्था में थे। एक महिला को जिंदा बचाया गया है। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल के मुताबिक फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 2:50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। हम मौके पर पहुंचे और पाया कि पूरी इमारत ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं।

15 साल पहले लापरवाही से इमारत का किया गया निर्माण

शुरूआती जांच के बाद पता चला है कि करीब 15 साल पहले लापरवाही से इमारत का निर्माण किया गया था। पिछले कुछ दिनों से ग्राउंड फ्लोर पर बनी दो दुकानों में काम चल रहा था। दो दुकानों के पार्टिशन को हटाकर एक ही दुकान में तब्दील किया जा रहा था। इसके अलावा गली में मौजूद नाली का पानी भी इमारत की बुनियाद में रिस रहा था। आशंका व्यक्त की जा रही है इसकी वजह से इमारत गिरी।

60 गज के प्लॉट में बनी थी बिल्डिंग

जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि रात करीब 2.50 बजे कंट्रोल रूम को डी-26, गली नंबर-1, शक्ति विहार, दयालपुर में चार मंजिला इमारत गिरने की सूचना मिली थी। बचाव दल मौके पर पहुंचा। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि करीब 60 गज के प्लॉट पर ग्राउंड फ्लोर के अलावा ऊपर तीन मंजिलें और बनी थीं।

इमारत में मकान मालिक हाजी तहसीन उर्फ यासीन के तीन बेटों के परिवार के अलावा तीसरी मंजिल पर दो किरायेदार के परिवार रहते थे। एक बेटे के परिवार को छोड़कर बाकी सभी अपनी-अपनी फ्लोर पर मौजूद थे। ग्राउंड फ्लोर पर दुकानों में काम चल रहा था। इस वजह से वहां कुछ मजदूर सो भी रहे थे। अब तक मलबे से 22 लोगों को निकाला जा चुका है, जिसमें 11 की मौत हो चुकी है। मृतकों में मकान मालिक तहसीन, उसके बेटे नाजिम, नाजिम की पत्नी शाहिना, बेटा अनस, अफ्फान, बेटी आफरीन, तहसीन के बेटे चांद की पत्नी चांदनी और तहसीन के ससुर इशहाक के अलावा किराएदार शाहिद के दो बेटे दानिश और नावेद व दूसरे किरायेदार नबी मोहम्मद की पत्नी रेशमा शामिल हैं।

मुस्तफाबाद: जोखिमपूर्ण इमारतों का रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश

दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा श्रम मंत्री कपिल मिश्रा और विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट ने शनिवार को मुस्तफाबाद क्षेत्र में बहुमंजिला इमारत गिरने के घटनास्थल का दौरा किया। कपिल मिश्रा ने दिल्ली नगर निगम के आयुक्त को निर्देशित किया कि 2-3 दिनों में पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण कर जोखिमपूर्ण इमारतों की सूची तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कपिल मिश्रा ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत हृदयविदारक बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ितों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार वे स्वयं स्थिति का आकलन करने पहुंचे हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह दुर्घटना मात्र एक हादसा नहीं बल्कि गंभीर आपराधिक लापरवाही का परिणाम है और दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और दिल्ली पुलिस राहत कार्यों में पूरी सक्रियता से जुटे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि घटना की गंभीरता से जांच की जाए और दोषी व्यक्तियों व अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। मंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र अवैध रूप से निर्मित 6-7 मंजिला इमारतों से घिरा हुआ है, जो भविष्य में और भी बड़े हादसों को जन्म दे सकती हैं। सीलमपुर, मुस्तफाबाद, जाफराबाद जैसे क्षेत्रों में अवैध निर्माण कार्यों की भरमार है, और यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

क्या साथ आएंगे उद्धव-राज ठाकरे?

मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर ने यूट्यूब चैनल के इंटरव्यू में पूछा था कि क्या वे भविष्य में कभी उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन कर सकते हैं? इस पर राज ठाकरे ने कहा, "किसी भी बड़ी बात के सामने हमारे विवाद या हमारे झगड़े बहुत छोटे हैं। महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। महाराष्ट्र के अस्तित्व, मराठी लोगों के अस्तित्व के सामने ये झगड़े और विवाद बहुत ही मामूली हैं। मुझे नहीं लगता कि साथ आने या साथ रहने में कोई मुश्किल है, लेकिन मुद्दा केवल इच्छा का है। हमें 'लार्जर पिक्चर देखनी चाहिए, मैं वही देख रहा हूं। मैं तो चाहता हूं कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े सभी मराठी लोग एक साथ आएं और एक पार्टी बनाएं।"

सेना ने लद्दाख क्षेत्र में पहुंचाया 5 जी नेटवर्क

लद्दाख

गलवान और सियाचिन ग्लेशियर सहित दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों में तैनात सैनिक अब अपने प्रियजनों के साथ संपर्क में रह सकते हैं, क्योंकि सेना ने लद्दाख क्षेत्र में विश्वसनीय हाई-स्पीड मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान की है। पहली बार दुनिया के कुछ सबसे दुर्गम इलाकों जैसे डीबीओ, गलवान, डेमचोक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों तक विश्वसनीय 4 जी और 5 जी मोबाइल कनेक्टिविटी तक पहुंच है।

सहरसा-मुंबई के बीच चलेगी अमृत भारत ट्रेन

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट तेज हो चली है। चुनाव से पहले ही राज्य को चुनावी सौगात मिल रही है। इसी क्रम में बिहारवासियों को दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का तोहफा मिलने जा रहा है। यह नई ट्रेन सहरसा से मुंबई के लिए चलेगी। पहले इस ट्रेन को सहरसा से दिल्ली होकर अमृतसर तक चलाए जाने की योजना थी।

ताजा जानकारी के अनुसार, अब इस ट्रेन को सहरसा से समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पाटलिपुत्र (पटना) होकर मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन तक चलाया जाएगा।

पंचकूला को स्मार्ट सीटी बनाना सरकार का ध्येय: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला को स्मार्ट सीटी बनाने के ध्येय को पूरा करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज 55 करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक की राशि के विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्याय किया। इन परियोजनाओं में 50 करोड़ रुपए की लागत से घग्गर नदी पर नवनिर्मित पुल का उद्घाटन, सेक्टर 28 व 31 में लगभग 4 करोड़ 64 लाख 59 हजार रुपये की लागत से दो डिस्पेंसरियों के भवनों और बरवाला के गांव कनौली में 74 लाख 38 हजार रुपये की लागत से ग्राम सचिवालय का शिलान्यास शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने पंचकूला विधानसभा क्षेत्र के गांव में विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा भी की। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज जो उद्घाटन एवं शिलान्यास किये गये हैं, वे पंचकूला को स्मार्ट सिटी बनाने के साथ-साथ उसे एक बेहतर स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने में भी मील का पत्थर साबित होंगे। हमारा लक्ष्य पंचकूला को एक स्मार्ट सिटी बनाना है, जहां नागरिकों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो विकसित भारत का सपना देखा है।

बांग्लादेश में हिन्दू नेता की पीट-पीट कर हत्या

ढाका

बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या क्रम थम नहीं रहा है। अब हन्दू समुदाय के प्रमुख नेता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के उपाध्यक्ष भाबेश चंद्र राय की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इसे लेकर बांग्लादेश के हिन्दू समुदाय में रोष और भय का माहौल है। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर में प्रमुख हिन्दू नेता भाबेश चंद्र राय परिवार के साथ रहते थे। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार की करीब शाम पांच बजे का समय रहा होगा। तभी अपराधियों ने राय को फोन किया। उन्होंने घर पर ही होने के बारे में बताया। 30 मिनट बाद ही चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए। भावेश को घर से उठा ले गए। उन्हें बदमाश नाराबारी गांव ले गए, वहां पर उन्हें जमकर पीटा गया। बदमाशों के चंगुल से किसी तरह छूट कर राय रात को घायल अवस्था में घर पर पहुंचे और बेहोश हो गए। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बांग्लादेश को भारत की नसीहत

भारत ने शनिवार को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय की हत्या की कड़ी निंदा की है।

भारत ने वहां की अंतरिम सरकार को नसीहत देते हुए कहा है कि वह बिना किसी भेदभाव के अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत के रुख को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, "हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या को व्यथित रूप से देखा है। जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से बचकर घूमते हैं।"

"हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।"

मुर्शिदाबाद में शांति बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता: राज्यपाल

स्थानीय लोग राज्य सरकार से नाराज हैं : बोस

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने शनिवार को कहा कि हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में शांति बहाल करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्थानीय लोग राज्य सरकार से नाराज हैं और उसकी कार्यशैली से संतुष्ट नहीं हैं। राज्यपाल ने ये बातें मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज इलाके में मारे गए हरगोबिंद दास और उनके पुत्र चंदन दास के परिजनों से मुलाकात के बाद कही। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की है और उन्हें अपनी शिकायतें सीधे राजभवन तक पहुंचाने के लिए एक संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराया है। राज्यपाल ने कहा कि मेरी प्राथमिकता केवल इलाके में शांति बहाल करना है। मैं राज्य सरकार से भी इस दिशा में उचित कदम उठाने का आग्रह करूंगा। राज्यपाल बोस ने मृतक परिवारों को आश्वस्त किया कि पिता-पुत्र की हत्या में शामिल किसी भी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, और राज्यपाल के अनुसार यदि अन्य लोग भी इसमें शामिल पाए जाते हैं तो उन्हें भी सजा मिलेगी। थानीय लोगों ने राज्यपाल से बातचीत के दौरान इलाके में स्थायी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) शिविर की स्थापना की मांग की। एक महिला ने कहा कि हमने सब कुछ खो दिया है। डर के मारे रात को भी नींद नहीं आती। अगर स्थायी सीएपीएफ कैंप नहीं हुआ, तो फिर कभी भी हमारी सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। हालांकि राज्यपाल ने सीएपीएफ कैंप की स्थापना को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया, लेकिन उन्होंने कोलकाता स्थित राजभवन में शांति कक्ष का नंबर साझा करते हुए लोगों से कहा कि सुरक्षा से संबंधित किसी भी समस्या की स्थिति में वे सीधे वहां संपर्क कर सकते हैं।

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद शेयर किया पोस्ट

नई दिल्ली

टेस्ला इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क ने शनिवार यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद की है। एलन मस्क ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि 'पीएम मोदी के साथ बात करना सम्मान की बात थी।

मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं।' एलन मस्क ने अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर शेयर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात लिखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बातचीत के बाद अपने एक्स पोस्ट अकाउंट पर लिखा था, ह्यएलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरूआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय शामिल थे।

जेईई मेन सत्र-2 के नतीजे घोषित, 24 छात्रों को 100 पर्सेंटाइल

नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को इंजीनियरिंग की संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई-मेन) 2025 सत्र-दो के नतीजे अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए। फिलहाल, एनटीए ने केवल पेपर 1 (बीई/बीटेक) के नतीजे घोषित किए हैं। पेपर 2 (बीआर्क/बीप्लानिंग) के नतीजे अभी भी प्रतीक्षित हैं। इस साल, कुल 24 छात्रों को पेपर 1 (बीई/बीटेक) में 100 पर्सेंटाइल मिले हैं। राजस्थान में सात उम्मीदवारों ने 100 एनटीए स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में तीन-तीन 100 एनटीए स्कोर धारक हैं। पश्चिम बंगाल, गुजरात और दिल्ली में दो-दो, जबकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में एक-एक टॉपर अपने राज्यों से हैं। एनटीए ने 2 से 8 अप्रैल तक जेईई मेन 2025 का दूसरा सत्र आयोजित किया था।

सुरक्षा की गारंटी में नई आभा बिखेर रहा उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री

गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर के विकास को और ऊंचाई देते हुए करीब 1500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने रोड कनेक्टिविटी, सीवरेज, चिकित्सा, पर्यटन सहित कई क्षेत्रों से जुड़ी 146 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर मानबेला मैदान में आयोजित लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले समाज को जाति, मत, मजहब के नाम पर बांटने वाली ताकतों ने यूपी का विकास करने की बजाय खुद का और परिवार का विकास किया। परिवार तक सिमटी ये ताकतें समाज को बांटने के लिए दंगा कराती थीं। डबल इंजन सरकार आने के साथ यूपी आठ साल से माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त हो चुका है। यूपी की चर्चा अब सिर्फ विकास के लिए होती है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं होता है। जो विकास नहीं करा पाते, वे जाति, मत, भाषा, क्षेत्र, मजहब के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न भिन्न कर समाज के सौहार्द को बिगाड़ने का काम करते हैं। मौका मिलने पर ऐसे लोग स्वयं और अपने परिवार के विकास के लिए कार्य करते हैं, जनता की भलाई के लिए कोई प्रयास नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों को 2014 के पूर्व के भारत और 2017 के पूर्व के उत्तर प्रदेश की याद दिलाते हुए कहा कि तब भारत भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था, नौजवान किंकर्तव्यविमूढ़ थे। देश की सुरक्षा के लिए नक्सलवाद और आतंकवाद की चुनौती थी। दस वर्षों से आप सबने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत को भी देखा है। नया भारत विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त करने के संकल्प को पूरा करते हुए, विरासत और विकास का समन्वय स्थापित करते हुए नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है।

सुरक्षा की गारंटी में नई आभा बिखेर रहा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी भी नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के रूप में अपनी आभा बिखेर रहा है। आठ वर्षों में बदलते परिवेश और परिवर्तन को सभी लोगों ने देखा है। यहां अन्नदाता किसानों को सम्मान मिल रहा है। यहां नारी गरिमा और सुरक्षा की गारंटी है। व्यापारियों को सुरक्षा की गारंटी और नौजवानों को रोजगार की गारंटी है। यहां के हर जिले का विकास देखकर लोग वाह वाह कहते हैं। नई पहचान बना रहे उत्तर प्रदेश में व्यापारी बिना भय के कारोबार करते हैं। नए-नए उद्यम लग रहे हैं तो बड़ी संख्या में रोजगार भी मिल रहा है। बहन और बेटियां बिना भय के स्कूल-कॉलेज और बाजार जा रही हैं।

भारत की चिंता के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास रद्द किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया है। यह अभ्यास श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट पर किया जाना था। भारत ने पाकिस्तानी नौसेना के चीन की पीएलए नौसेना के साथ घनिष्ठ सहयोगऔर त्रिंकोमाली में पाकिस्तानी युद्धपोतों की यात्रा ?को लेकर श्रीलंका के सामने चिंता जता?ई थी। त्रिंकोमाली श्रीलंका के उत्तर पूर्वी तट पर स्थित है और इसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 04 अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भारत की वित्तीय सहायता से पूरी हुई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन ?किया था। ?पीएम मोदी की इस यात्रा से पहले श्रीलंका और पाकिस्तान की नौसेनाओं ने अपनी नियमित गतिविधियों के अनुरूप त्रिंकोमाली के तट पर अभ्यास करने की योजना बनाई थी।? इसकी जानकारी मिलने पर भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर ?श्रीलंका के सामने अपनी चिंताएं रखी थीं।? भारत का कहना था कि पाकिस्तान और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के युद्धपोत युद्धाभ्यास के अलावा नियमित रूप से एक-दूसरे के बंदरगाहों पर जाते हैं। भारत ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि अगस्त, 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज युआन वांग के डॉकिंग ने श्रीलंका कूटनीतिक

विवाद को जन्म दिया था। इसके बाद अगस्त?, 2023 में कोलंबो बंदरगाह पर डॉक किए गए एक अन्य चीनी युद्धपोत ने भी नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा की थीं। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में भारत त्रिंकोमाली के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को विकसित करने में श्रीलंका को सहायता देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।? हालांकि, श्रीलंका या पाकिस्तान की ओर से इस योजना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया? है लेकिन श्रीलंका?के सामने भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई। सैन्य विशेषज्ञों ने भारत के लिए त्रिंकोमाली के रणनीतिक महत्व को समझाते हुए कहा कि इसमें बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर हिंद महासागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दबदबा बनाने की क्षमता है?, इसलिए भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर चिंता व्यक्त करके सही किया है। भारत विशेष रूप से त्रिंकोमाली में तेल टैंक फार्मों को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रहा है, जो दुनिया के बेहतरीन प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक है।? इसी महीने मोदी की कोलंबो यात्रा के दौरान भारत, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने त्रिंकोमाली को?%ऊर्जा केंद्र?%के रूप में विकसित करने के लिए एक महत्वाकांक्षी समझौते को अंतिम रूप दिया? है, जिसका व्यापक उद्देश्य इसके आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करना है।

गहलोत का भजन लाल सरकार पर हमला, लू से बचाव के उपायों पर हाईकोर्ट की चिंता को बताया जायज

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार पर बढ़ते तापमान और लू के प्रकोप से निपटने में बदइंतजामी का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस मामले में हाईकोर्ट की चिंता बिल्कुल जायज है। उन्होंने कहा कि पिछली साल 30 मई को हाईकोर्ट ने लू से होने वाली मौतों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को आवश्यक निर्देश दिए थे, लेकिन सरकार ने उन निर्देशों को लागू नहीं किया।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने इस साल गर्मी आने तक भी आमजन की रक्षा के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की है। उन्होंने कहाकि लू से लोगों के जीवन को बचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि लोग असमय मृत्यु का शिकार न हों। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हाईकोर्ट ने पिछले साल भी लू से होने वाली मौतों पर चिंता जताई थी और सरकार को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा था। लेकिन, सरकार ने उन निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया, जिसके कारण आज फिर हाईकोर्ट को इस मामले में दखल देना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से लू से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। अस्पतालों में लू से प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए और लोगों को लू से बचने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और लोगों के जीवन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। गहलोत ने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से लू से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

ब्राह्मणों के खिलाफ 'अपमानजनक' टिप्पणी करने पर अनुराग कश्यप के खिलाफ शिकायत दर्ज

नई दिल्ली । मशहूर फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप के खिलाफ ब्राह्मण समुदाय को लेकर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह मामला दिल्ली के तिलक मार्ग थाने में उज्ज्वल गौड़ नामक व्यक्ति ने दर्ज कराया है। गौड़ ने अपनी शिकायत में कहा कि अनुराग कश्यप की टिप्पणी न केवल घिनौनी और अशोभनीय है, बल्कि समाज में नफरत फैलाने, सार्वजनिक शांति भंग करने और सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने वाली है। यह विवादतब शुरू हुआ जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी,

जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी आलोचना की। गौड़ ने इसे ब्राह्मण समुदाय के आत्मसम्मान पर सीधा हमला बताते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद अनुराग कश्यप ने इस टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरी माफी है, मेरे पोस्ट के लिए नहीं, बल्कि उस एक पंक्ति के लिए जिसे संदर्भ से काटकर पेश किया गया और जिसके चलते घृणा फैल रही है। कोई भी बात या बयान इस लायक नहीं कि आपके परिवार, दोस्तों, बेटियों को बलात्कार और जान से मारने की धमकी मिले।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति का प्रस्तावित जयपुर दौरा, सीएम भजनलाल शर्मा ने की अधिकारियों के साथ बैठक

जयपुर । अमेरिकी उप राष्ट्रपति जे.डी. वेंस भारत के दौरे पर आ रहे है । इस दौरान 21 अप्रैल को जयपुर आने का भी प्रस्तावित कार्यक्रम है । वहीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के जयपुर आगमन को लेकर व्यवस्थाओं के संबंध में सीएम भजनलाल शर्मा ने शनिवार को अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री निवास पर बैठक ली। इस दौरान उपस्थित

अधिकारियों को सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा, प्रोटोकॉल मानकों का पालन एवं समन्वित कार्ययोजना के संबंध में निर्देशित किया गया।

हिंदू नेता की हत्या पर बांग्लादेश को भारत की नसीहत- बिना भेदभाव के जिम्मेदारी निभाओ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय की हत्या की कड़ी निंदा की है। भारत ने वहां की अंतरिम सरकार को नसीहत देते हुए कहा है कि वह बिना किसी भेदभाव के अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत के रुख को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा, हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर हत्या को व्यथित रूप से देखा है। यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण

करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से बचकर घूमते हैं जायसवाल ने आगे लिखा, हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।

तेजस्वी ने भ्रष्टाचार को लेकर सरकार को घेरा, कहा- हर टेंडर में मंत्री का 30 फीसदी कमीशन तय

एजेंसी

पटना । बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भ्रष्टाचार को लेकर नीतीश कुमार की सरकार पर जोरदार सियासी हमला बोला। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि भ्रष्टाचार का आलम है कि सभी विभागों में ताबड़तोड़ टेंडर निकाला जा रहा है, जिसमें सभी विभागीय मंत्रियों का 30 प्रतिशत कमीशन तय है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इससे उन्हें चुनाव का खर्च भी निकालना है। पटना में एक प्रेस वार्ता में बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि अब कितना भी दम लगा लें, उनकी सरकार नहीं बनने वाली है। इसलिए आनन-फानन में टेंडर निकाला जा रहा है। मात्र तीन महीने की कैबिनेट की बैठक में 76 हजार करोड़ रुपए की ही स्वीकृति मिली है।

इसमें अधिकतर योजनाएं निर्माण से जुड़ी हुई हैं। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार वार्षिक रूप से हर साल 25 से 30 हजार करोड़ रुपए लोन की राशि चुकाती है। ब्याज का तो छोड़ दीजिए। बिहार सरकार सरकारी खजाने से चुनाव को लेकर यात्रा और राजनीतिक प्रचार कर रही है। जनता इसका जवाब मांग रही है। अब महिला संवाद किया जा रहा है, जिसके लिए 600 वैन दिल्ली से यहां बुलाए गए हैं। नल जल में भी बहुत बड़ा घोटाला हुआ है। अभी तक कई गांवों में नल जल नहीं पहुंचा है। तेजस्वी यादव ने राज्य में वित्तीय अराजकता पैदा होने का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी कार्यों को आने वाली अगली सरकार को पूरा करना होगा, वह राशि कहां से आएगी। बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं मिल रहा, बाहर के लोग बिहार आकर काम करेंगे।

मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाएंगे

2016 और 2019 के बाद प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी।

एजेंस

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2016 और 2019 के बाद प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी।

यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की गई है।

रियाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के

बीच द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर नये समझौते होने की संभावना है। इसके अलावा दोनों नेता क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे जिनमें इज़रायल फिलिस्तीन संघर्ष और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईमैक) को आगे बढ़ाने के मुद्दे शामिल हैं।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों के लंबे इतिहास के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। रणनीतिक साझीदार के रूप में, दोनों देश राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं। सऊदी अरब के साथ भारत के संबंध पिछले दशक में एक मजबूत और स्थायी साझीदारी के रूप में विकसित हुए हैं तथा बढ़ती निवेश प्रतिबद्धताओं, रक्षा सहयोग को व्यापक बनाने और सभी क्षेत्रों में गहन उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के साथ कई रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार हुआ है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा सऊदी अरब के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को भारत के महत्व को दर्शाती है। यह हमारी बहुआयामी साझीदारी को और गहरा और मजबूत करने के साथ-साथ आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

वंचितों की भागीदारी सुनिश्चित होने तक न्याय अधूरा : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि जब तक वंचित और पीड़ित वर्ग की भागीदारी तय नहीं होगी तब तक न्याय सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। श्री गांधी ने कहा ÷जब तक वंचित वर्गों की असल हिस्सेदारी और भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी - न्याय अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा अगर आप महिला, दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े, पसमांदा, इडब्लूएस या अल्पसंख्यक वर्ग से हैं, या इन वर्गों का नेतृत्व करते हैं- तो हमारे 'संविधान लीडरशिप प्रोग्राम' से जुड़ें अपने अधिकारों की रक्षा, जाति जनगणना से सामाजिक न्याय और अपनी भागीदारी की लड़ाई को मज़बूत करने के लिए साथ आएं। कांग्रेस नेता ने इस अभियान से जुड़ने

का सबसे आवाहन किया और कहा कि यह वक्त है एकजुट होकर मजबूती से आवाज़ उठाने का। अभियान से जुड़ने के लिए पर मिस्ड कॉल दें।

कांग्रेस ने बांग्लादेश में हिंदू नेता भाबेश चंद्र रॉय की हत्या की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बांग्लादेश के दिनाजपुर में हिंदू नेता भाबेश चंद्र रॉय की हत्या की निंदा की है और इसे वहां के अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमला करार दिया है। पार्टी महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह इस मामले को बांग्लादेश सरकार के समक्ष उठाए और उस पर जांच के लिए दबाव डाले। ताकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो सके। जयराम रमेश ने आज एक वक्तव्य में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस बांग्लादेश के दिनाजपुर में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय की क्रूर हत्या की कड़ी निंदा करती है। अपहरण और हमले के कारण उनकी दुखद मृत्यु इस क्षेत्र में धार्मिक अल्पसंख्यकों में बढ़ती असुरक्षा की भावना की एक भयावह याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ महीनों में

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों की कई और बेहद परेशान करने वाली घटनाएं हुई हैं, जिनमें हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने से लेकर अल्पसंख्यकों के घरों और व्यवसायों पर लक्षित हमले शामिल हैं। धमकी और क्रूरता के इस रवैए को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

भाषा के प्रति नफरत अनुचित, गुड गवर्नेंस वही जो संविधान के अनुसार चले : मायावती

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आजकल चल रहे भाषा विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति नफरत अनुचित है। बसपा मुखिया मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि पश्चिम के महाराष्ट्र, गुजरात तथा दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडु व केरल में बीएसपी संगठन के गठन की तैयारी व मजबूती एवं पार्टी के जनाधार को बढ़ाने आदि पर दिल्ली में हुई बैठक में गहन समीक्षा और आगे पूरे तन, मन, धन से पार्टी के कार्यों को दिशा-निर्देशानुसार बढ़ाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने आगे लिखा कि जनगणना व उसके आधार पर लोकसभा सीटों का पुनः आवंटन,

नई शिक्षा नीति व भाषा थोपने आदि के चलते इन राज्यों व केंद्र के बीच राजनीतिक स्वार्थ के लिए विवाद से जन व देशहित का प्रभावित होना स्वाभाविक है। गुड गवर्नेंस वही है जो पूरे देश को संविधान के हिसाब से साथ लेकर चले। मायावती ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले खासकर शोषित-उपेक्षित गरीबों, दलितों, आदिवासियों व पिछड़े वर्ग आदि के बच्चे-बच्चियां अंग्रेजी का ज्ञान अर्जित किए बिना आगे चलकर आईटी व स्किल्ड क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकते हैं, सरकार इस बात का जरूर ध्यान रखे। भाषा के प्रति नफरत अनुचित है। इसके पहले उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि विदित है कि अन्य पार्टियों की तरह आए दिन सपा द्वारा भी पार्टी के ख़ासकर दलित लोगों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप व कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है, यह इनकी घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ही प्रतीत होती है। उन्होंने आगे लिखा कि सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ की खातिर यहां किसी भी हद तक जा सकती है। अतः दलितों के साथ-साथ अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि को भी इनके किसी भी बहकावे में नहीं आकर इन्हें इस पार्टी के राजनीतिक हथकंडों का शिकार होने से जरूर बचना चाहिए। ऐसी पार्टियों से जुड़े अवसरवादी दलितों को दूसरों के इतिहास पर टीका-टिप्पणी करने की बजाय यदि वे अपने समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों की अच्छाइयों एवं उनके संघर्ष के बारे में बताएं तो यह उचित होगा, जिनके कारण ये लोग किसी लायक बने हैं।

मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस को बताया 'मूकदर्शक', बोले- 'दंगाग्रस्त इलाकों का तमाशा देख चुपचाप लौट रही'

'अगर मुख्यमंत्री चाहें तो एक दिन में हिंसा पर काबू पाया जा सकता है।'

एजेंसी

कोलकाता । भारतीय जनता पार्टी के नेता और दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल पुलिस को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्हें 'तमाशबीन' बताया है। बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में हालात बेहद चिंताजनक हैं और पुलिस महज कुर्सी लगाकर तमाशा देख वापस लौट रही। मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाया। उन्होंने कहा, ' पुलिस सिर्फ 'फंक्शन' देखने आती है। जहां दंगे हो रहे होते हैं, वहां कुर्सी लगाकर तमाशा देखती है और फिर चुपचाप वापस चली जाती है। उन्होंने कहा कि

पुलिस की भूमिका अब कानून व्यवस्था संभालने की नहीं रह गई, बल्कि मूकदर्शक बनने की हो गई है।' मिथुन ने वक्फ को लेकर प्रदेश सरकार के रवैये को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा , 'उन्होंने वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा पर कहा कि हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। मुस्लिम समाज के नाम पर जिन जमीनों को वक्फ संपत्ति बताया जा रहा है, उन्हें नेताओं ने कब्जा कर लिया है। कहीं गोदाम बना दिए, कहीं किराए पर चढ़ा दिए, और उस पैसे से अपनी ऐशो-आराम की जिंदगी जी रहे हैं। अगर इन संपत्तियों का कुछ हिस्सा मुस्लिम भाइयों या उनकी बहनों को मिल जाता, तो कोई समस्या नहीं थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा। नतीजा यह है कि आम हिंदू परिवार बेघर हो रहे हैं, और ट्रांजिट कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं।

दावा किया, अगर मुख्यमंत्री चाहें तो एक दिन में हिंसा पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा क्योंकि जिन लोगों की मदद से सरकार बनी है, उन्हीं को संतुष्ट रखने की कोशिश हो रही है। बंगाल में अब सनातनी, सिख और ईसाई समुदाय के लोग तृणमूल को वोट नहीं देते, इसलिए जो उनका 'वोट बैंक' है, उन्हें खुश रखना सरकार की प्राथमिकता बन गई है।

भारत हर खेल में आगे बढ़ता जा रहा है: रक्षामंत्री

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में सांसद खेल महाकुंभ का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को शुभारंभ किया। इसी के साथ ही 24 अप्रैल तक चलने वाले खेल महाकुंभ में एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, कबड्डी, फुटबॉल, बॉक्सिंग समेत आठ खेलों की प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए सूत्रवाक्य में कहा कि भारत के खिलाड़ियों ने खेल के क्षेत्र में भारत का नाम शिखर पर पहुंचाया है। हर खेल में भारत आगे बढ़ता जा रहा है। खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान कर रही हैं। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक नीरज बोरा, विधायक योगेश शुक्ला, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा के

महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित भाजपा के पदाधिकारी और खेल प्रेमी व सैकड़ों खिलाड़ी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में 33 कुख्यात नक्सली गिरफ्तार, शाह ने छिपे हुए नक्सलियों से की आत्मसमर्पण की अपील

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 33 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। शाह ने इस सफलता के लिए सुरक्षा बल के जवानों और छत्तीसगढ़ पुलिस को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने छिपे हुए नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की है। अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में विभिन्न ऑपरेशन्स में कोबरा कमांडो और छत्तीसगढ़ पुलिस ने 22 कुख्यात नक्सलियों को आधुनिक हथियारों और विस्फोटक सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया है। साथ ही, सुकमा की बडेसेट्टी पंचायत में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जिससे यह पंचायत पूरी तरह नक्सलमुक्त हो गई है। छिपे हुए नक्सलियों से मेरी अपील है कि मोदी सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपनाकर यथाशीघ्र हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हों। 31 मार्च 2026 से पहले हम देश को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित हैं।

बैंक्वेट हॉल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के विकासपुरी इलाके स्थित गोल्डन एप्पल बैंक्वेट हॉल में अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार करीब चार बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि विकासपुर इलाके में स्थित गोल्डन एप्पल बैंक्वेट हॉलमें आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की 13 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार करीब साढे तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

दिल्ली में बारिश से मौसम हुआ सुहावना, आईएमडी ने शनिवार के लिए भी जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। भीषण गर्मी की मार झेल रहे दिल्ली-एनसीआर के लोगों को बड़ी राहत मिली। अचानक तेज हवाओं के बाद बारिश से मौसम सुहावना हो गया। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में शुक्रवार शाम आसमान में अचानक काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। वसंत कुंज इलाके में धूल भरी आंधी के कारण वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई। हालांकि, मौसम में अचानक आए बदलाव ने लोगों को गर्मी से राहत दिलाई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भी गरज के साथ बिजली चमकने और धूल भरी आंधी की चेतावनी दी है। साथ ही बारिश की भी संभावना व्यक्त की गई है। पूरे पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों के लिए हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 19 अप्रैल की शाम को दिल्ली-एनसीआर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दौरान गरज के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी और धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। शाम के दौरान 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37 से 39 डिग्री सेल्सियस और 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इतना ही नहीं, सुबह के समय 10-12 किमी प्रति घंटे की हवा चलने की संभावना है, जो दोपहर के दौरान धीरे-धीरे बढ़कर 20-24 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा : अमित मालवीय का दावा, 'पुलिस रिपोर्ट ने खोली ममता सरकार की पोल'

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राज्य पुलिस की रिपोर्ट ने मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर उनके बयानों की पोल खोल दी है। अमित मालवीय ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह अशांति के लिए बाहरी लोगों को दोषी ठहराकर जनता को गुमराह कर रही हैं, जबकि पुलिस रिपोर्ट में स्थानीय लोगों की संलिप्तता की ओर इशारा किया गया है। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बारे में गृह मंत्री ममता बनर्जी के दावों को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया है। अपनी आधिकारिक रिपोर्ट में पुलिस ने पुष्टि की कि 11 अप्रैल को सजुर मोड़ पर हुई घातक हिंसा में शामिल भीड़ में स्थानीय युवा शामिल थे, जो बम सहित घातक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पुलिस पर गोलीबारी भी की थी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हो रहा है संस्कृति का नवोदय - स्वामी अवधेशानंद गिरि

एजेंसी

नई दिल्ली। जूना अखाड़े के प्रमुख आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में भारत की संस्कृति का नवोदय हुआ है। भारत का सनातन हिन्दू समाज इस समय जिस गौरव की अनुभूति कर रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संस्कृति पर विचारों और भाषणों का संकलन 'संस्कृति का पांचवा अध्याय' पुस्तक के विमोचन के मौके पर अवधेशानंद गिरी संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व धरोहर दिवस के मौके पर इस किताब का विमोचन किया जा रहा है। यह अपने आप में विशिष्ट बात है। साल 2014 के बाद सर्वत्र नई दिशाएं, नवाचार देखने को मिल रहा है। इस अवसर पर भारत के सबसे बड़े जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वे 2008 में जब पुर्तगाल में थे तो पहली बार एक योगी ने

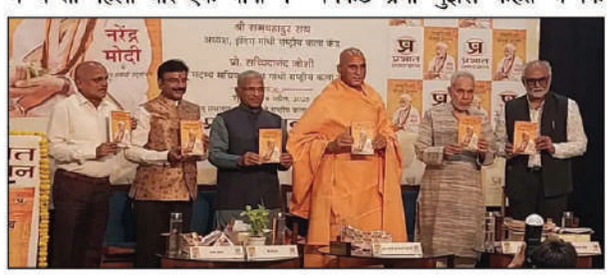

योग दिवस की कल्पना और चर्चा की थी और 21 जून को इसे मनाने का विचार साझा किया था। तब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। यह योग दिवस की कल्पना भी तब साकार हो पाई जब वे प्रधानमंत्री बने। अन्नपूर्णा देवी की प्रतिमा हो या अन्य श्रेष्ठ भारतीय धरोहर, वे सब भारत लौट रहीं हैं और उन पर हमें यदि गर्व हो रहा है तो इसका श्रेय भी प्रधानमंत्री मोदी की ही जाता है। यहां तक कि 2014 से पहले मेरे ही अनेक निकट प्रेमी मुझसे कहते थे कि आप हिन्दू संस्कृति की बात न कहकर सनातन संस्कृति या भारतीय संस्कृति शब्द प्रयोग किया करें। आज परिस्थिति बदल गई है और लोग गर्व के साथ अपनी हिन्दू संस्कृति और उसकी पहचान और धरोहर पर गर्व करते हुए दिखाई देते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की झूठी स्तुति या अतिरेक सम्मान की बात नहीं है, बल्कि संस्कृति के एक उपासक के तौर पर उन्होंने जो कार्य किया है, उसको इस पुस्तक के माध्यम से भी समझा जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि 'संस्कृति का पांचवां अध्याय' पुस्तक भारत के सांस्कृतिक इतिहास व वर्तमान के बीच कड़ी की तरह है। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के भारतीय संस्कृति पर केंद्रित 34 भाषण हैं। हरिवंश ने कहा कि 2014 के बाद से भारत में सर्वत्र जो बदलाव देखा जा रहा है, उसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। याद कीजिए कि किसी ने भी 2014 से पहले विकसित भारत की बात तक की हो। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस विकसित भारत का सपना न केवल जन-जन की आंखों में उतार दिया है बल्कि 2047 तक उस लक्ष्य को पाने का एक खाका भी खींच दिया है।

अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता ने संभव जैन से किया विवाह

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की बेटी हर्षिता का उनके कॉलेज मित्र संभव जैन के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। दिल्ली के कपूरथला हाउस में शादी और रिसेप्शन दोनों हुए। कपूरथला हाउस पंजाब के मुख्यमंत्री का दिल्ली में आधिकारिक आवास है। विवाह समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आयी हैं। वीडियो में अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान समारोह में डांस करते देखे जा सकते हैं। हर्षिता और संभव की मुलाकात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में हुई थी। दोनों यहां एक साथ पढ़ते थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कुछ चुने हुए मेहमान इस शादी में शामिल हुए। इसमें आम आदमी पार्टी के कई नेता शामिल रहे।

भारत ने ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की बैठक में समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली । ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में भारत ने समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण को वैश्विक कृषि रणनीति के केंद्र में रखने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कृषि भारत के लिए केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए आजीविका, भोजन और गरिमा का स्रोत है। भारत ने कहा कि जब तक छोटे किसानों को संरक्षित और सशक्त नहीं किया जाएगा, तब तक वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि दुनिया के 510 मिलियन छोटे किसान वैश्विक खाद्य प्रणाली की रीढ़ हैं और जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों की कमी के बीच वे सबसे अधिक संवेदनशील हैं। हम छोटे किसानों को इन चुनौतियों से लड़ने में अकेला नहीं छोड़ सकते, उन्हें हमारी नीतिगत सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने क्लस्टर

आधारित खेती, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), सहकारी मॉडल और प्राकृतिक खेती को छोटे किसानों के सामूहिक सशक्तीकरण और बाजार तक बेहतर पहुंच का प्रभावी माध्यम बताया। बैठक में कृषि व्यापार को न्यायसंगत बनाने, वैश्विक मूल्य अस्थिरता को नियंत्रित करने और छोटे किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। चौहान ने सार्वजनिक खाद्य भंडारण व्यवस्था, न्यूनतम समर्थन मूल्य, और छोटे किसानों को सीधे जोड़ने वाले मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता को दोहराया। उन्होंने कोविड-19 संकट के दौरान भारत की खाद्य भंडारण क्षमता को एक मिसाल के रूप में प्रस्तुत किया।

दिल्ली के मुस्तफाबाद में आंधी-तूफान के बाद गिरी 4 मंजिला इमारत:4 की मौत,कई के फंसे होने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार तड़के एक इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई और कई के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 3 बजे हुई।दिल्ली पुलिस ने बताया कि आज सुबह दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक इमारत गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। उत्तर पूर्वी जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त संदीप लांबा ने बताया कि 14 लोगों को बचा लिया गया है।लांबा ने कहा कि 14 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन उनमें से चार की मौत हो गई। यह चार मंजिला इमारत थी, बचाव अभियान जारी है। अभी भी आठ से दस लोगों के फंसे होने की आशंका है।राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीमें मौके पर मौजूद हैं और राहत-बचाव का कार्य किया जा रहा है।चार मंजिला इमारत में 20 से 25 लोग रह रहे थे। अब तक 8 लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है। इमारत ढहने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं है।डिवीजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह करीब 2:50 बजे एक कॉल मिली। उन्होंने

कहा, हमें सुबह करीब 2:50 बजे एक घर ढहने की सूचना मिली। हम मौके पर पहुंचे और पाया कि पूरी इमारत ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस लोगों को बचाने के लिए काम कर रही है।÷शुक्रवार रात राजधानी दिल्ली के मौसम में अचानक आए बदलाव के कुछ ही घंटों बाद घर ढहने की घटना हुई।शनिवार के लिए आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शनिवार शाम तक ऐसा ही होगा। शाम को बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके साथ-साथ गरज के साथ छींटे, बिजली और धूल भरी आंधी के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार पकड़ सकती हैं। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

केंद्र के बड़े नौकरशाही फेरबदल में अरविंद श्रीवास्तव को राजस्व सचिव नियुक्त किया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा किए गए शीर्ष स्तरीय नौकरशाही फेरबदल में वरिष्ठ नौकरशाह अरविंद श्रीवास्तव को नया राजस्व सचिव नियुक्त किया गया है। कर्नाटक कैडर के 1994 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीवास्तव वर्तमान में प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के सचिव के रूप में अरविंद श्रीवास्तव की नियुक्ति को मंजूरी दी है। नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम को व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह मनोज गोविल का स्थान लेंगे।

मनोज गोविल मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्हें कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति वंदना गुरनानी के स्थान पर की गयी है, जिनको श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में सचिव के पद पर भेजा गया है। गुरनानी कर्नाटक कैडर की 1991 बैच की आईएएस हैं।बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी राजित पुन्हानी को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में वह वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। महाराष्ट्र कैडर की 1990 बैच की आईएएस मीता आर. लोचन को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव नियुक्त किया गया है। मणिपुर कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी के मोसेस चालई को वित्त मंत्रालय के सार्वजनिक उद्यम विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1992 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष श्रीवास्तव को गृह मंत्रालय में अंतरराज्यीय परिषद सचिवालय का सचिव नियुक्त किया गया है। मणिपुर कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश अग्रवाल को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है।

सामान्य गश्त के दौरान एक रात में पुलिस ने 17 हजार से अधिक वाहनों की जांच की, 36 घोषित बदमाश पकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गुरुवार रात सामान्य गश्त के दौरान पुलिस ने बदमाशों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की। राजधानी के 15 पुलिस जिलों के पुलिसकर्मियों ने 17,793 वाहनों की जांच की। इस दौरान में 36 घोषित बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि अलग-अलग मामलों में आरोपितों को जहां गिरफ्तार किया गया है, वहीं कुछ मामलों में हिरासत में लिया गया। तो कुछ में उन्हें बाउन डाउन करके प्रतिबंधित भी किया गया। डीसीपी के अनुसार 65 डीपी एक्ट के तहत 798 के खिलाफ कार्रवाई की गई है जबकि 66 डीपी एक्ट के तहत 118 पर कार्रवाई हुई। एक्साइज एक्ट के 40 मामले में 59 के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर ट्रैफिक नियम तोड़ने को लेकर 100 से ज्यादा लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके चालान किया गया। इसमें बाइक/स्कूटी पर ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट और गाड़ियों के शीशे पर काली फिल्म (परत) चढ़ाने के मामले शामिल है। कलंदरा के मामले में 15 लोगों को बाउन डाउन करके प्रतिबंधित किया गया।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने मुगल बादशाह की पेंटिंग पर पोती कालिख

एजेंसी

गाजियाबाद। महानगर के पुराने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर 4 की एक दीवार पर बनी अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की पेंटिंग को औरंगजेब की बताकर हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और पेंटिंग पर कालिख पोत दी। संगठन के कार्यकर्ताओं स्टेशन पर औरंगजेब के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इस मामले में आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आरपीएफ के सहायक आयुक्त गबर्याल का कहना है कि यह पेंटिंग औरंगजेब की नहीं बल्कि मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर की है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। इस संबंध में संगठन हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने कहा कि औरंगज़ेब एक क्रूर बादशाह था। उसने भारत में अनेक मंदिरों को तुड़वाया था। इसलिए भारत में औरंगजेब की कब्र या कोई चित्र का क्या काम। उनका संगठन इन्हें नहीं रहने देगा। आज हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 4 की दीवार पर बनी पेंटिंग को औरंगजेब की बताते हुए हंगामा किया था। हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भड़क गए और पेंटिंग

पर कालिख पोत दी। हिन्दू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर इसे हटाने की मांग कर रहे हैं। इस घटना का और हिन्दू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते दिख रहे हैं कि रेलवे स्टेशन पर औरंगज़ेब की पेंटिंग का स्टेशन बनाए जाने का कोई औचित्य नहीं है। औरंगज़ेब ने देश के मंदिरों को लूटा और हिन्दू समुदाय पर जुल्म ढाए। वायरल वीडियो में कुछ युवा हाथ में भगवा झंडा लहराते हुए स्टेशन पर पहुंचे और पेंटिंग पर कालिख पोतते नजर आ रहे हैं। दीवार पर लाल रंग से हिन्दू रक्षा दल लिखा लिख दिया। बताया जा रहा कि हंगामा की सूचना पर जीआरपी के जवान वहां पहुंचे तब कार्यकर्ता वहां से चले गए। इस संबंध में आरपीएफ के सहायक आयुक्त गबर्याल ने बताया कि इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ आरपीएफ थाने में रिपोर्टदर्ज कर ली गई है। इस मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। शहजादा हुसैन बुरहानुद्दीन के नेतृत्व में दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दाऊदी बोहरा समुदाय की राष्ट्रपति से मुलाकात की तस्वीर जारी करते हुए यह जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लोक कल्याण मार्ग स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। उन्होंने वक्फ संशोधन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी।

प्रधानमंत्री ने वक्फ के कारण लोगों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में बात की और कहा कि इस अधिनियम को लाने के पीछे एक प्रमुख कारण यह था कि प्रचलित व्यवस्था से पीड़ित अधिकांश महिलाएं, विशेष रूप से विधवाएं थीं।

डीयू कुलपति ने पत्रकारिता के छात्रों के लिए मल्टीमीडिया स्टूडियो का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में हिंदी विभाग द्वारा संचालित पत्रकारिता पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए गुरुवार को मल्टीमीडिया स्टूडियो का उद्घाटन किया गया। स्टूडियो का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया। दिल्ली विश्वविद्यालय दक्षिणी परिसर का मल्टीमीडिया स्टूडियो मल्टीमीडिया सामग्री के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्नत तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित एक अत्याधुनिक स्टूडियो है। इसमें ऑडियो और वीडियो उत्पादन, ग्राफिक डिजाइन, एनीमेशन और अन्य डिजिटल मीडिया प्रोजेक्ट शामिल हो सकते हैं। स्टूडियो को छात्रों के एक रचनात्मक और सहयोगी स्थान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। जहां वे विभिन्न मल्टीमीडिया तत्वों का उपयोग करके अपने विचारों को जीवंत कर सकते हैं।पॉडकास्ट के कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो योगेश सिंह ने डॉ सीमा भारती द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति के तीन वर्ष की कार्यावधि के

अंतर्गत ही उन्होंने आधारभूत संरचनाओं पर कार्य किया और लगभग 22 ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं, जो अभी भी चल रहे हैं और आगे भी वह इन कार्यों को करने में पीछे नहीं हटेंगे। पिछले तीन दशकों के बाद इस विश्वविद्यालय में एक नया कॉलेज जुड़ा है। योगेश सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पहली बार दिल्ली विश्वविद्यालय में ही लागू करने के प्रश्न पर कहा कि मैं तो चाहता हूँ कि पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति पूर्ण रूप से लागू हो और इस प्रयोग द्वारा शिक्षा में कुछ नई चीजों का भी समावेश कर सकें। उन्होंने अंत में कहा कि अध्यापकों को एक बात ध्यान रहे कि जो पत्रकार आप तैयार करें, वह इस देश से प्यार करने वाले हों, इस देश के हित को संभालने वाले हों और जो निज हित को देश हित से ऊपर नहीं रखता हो। इस दौरान प्रो बलराम पाणी (अधिष्ठाता), प्रो प्रकाश सिंह (निदेशक- दक्षिणी परिसर), डॉ विकास गुप्ता (कुलसचिव), अनूप लाठर (अध्यक्ष- सांस्कृतिक परिषद), प्रो सुधा सिंह (विभागाध्यक्ष-हिंदी), प्रो अनिल राय (प्रभारी- हिंदी विभाग दक्षिणी परिसर), प्रशांत नागर, डॉ सीमा भारती, प्रभाकर मिश्रा एवं अन्य पूर्व छात्र एवं वर्तमान छात्र उपस्थित रहे।

नेहरू-गांधी परिवार ने हमेशा देश को दिया, कभी कुछ लिया नहीं -दिग्विजय सिंह

एजेंसी

ई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर कहा कि नेहरू-गांधी परिवार एक ऐसा परिवार है जिसने देश को सिर्फ दिया है और अपने लिए कभी कुछ नहीं लिया।दिग्विजय सिंह ने समाचार एजेंसी बातचीत के दौरान कहा कि साल 1930 से लेकर अब तक, इलाहाबाद या कहीं और जो भी संपत्ति उनके पास थी, वह राष्ट्र को समर्पित कर दी। इस परिवार से तीन प्रधानमंत्री हुए, फिर भी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप साबित नहीं हुआ, उस परिवार पर ईडी ने जो चार्जशीट दायर की है। इस परिवार ने नेशनल हेराल्ड की जितनी भी संस्थाएं हैं, उनसे पैसे का लेनदेन नहीं किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि भ्रष्टाचार में हमेशा मनी ट्रेल (पैसे का लेनदेन) देखी जाती है। इस केस में मनी ट्रेल का एक भी उदाहरण नहीं है। कांग्रेस पार्टी चूंकि केंद्र में बैठी एनडीए सरकार का विरोध करती है, इसीलिए कांग्रेस की आवाज को दबाने का यह कुटिल प्रयास है। कांग्रेस में प्रदर्शन नहीं करने वाले नेताओं को पहचानने की जरूरत है। राहुल गांधी के इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बिल्कुल सही बात है। ऐसे नेताओं की पहचान होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून की सुनवाई पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ÷मेरा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को उसी गंभीरता से लेना चाहिए जैसा कि अब तक लेता आया है, और असंवैधानिक कानून को रद्द किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल ही में वक्फ कानून को संसद में बहुमत के साथ पारित किया गया। केंद्र सरकार का दावा है कि इस संशोधन से गरीब मुसलमानों का भला होगा। वक्फ की जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों के चंगुल से जमीन वापस लाई जाएगी। वहीं, वक्फ कानून का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। विपक्ष का कहना है कि सरकार वक्फ की जमीनों पर जबरन कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

संपादक की कलम से

देश को एक ही फ्रेम में फिट करने की मनमानी

- वर्षा भम्भाणी मिर्जा

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले।

लगता है कि देश पर राज करने वालों ने अपने लिए एक फ्रेम बनवा ली है और फिर देश को हर हाल में उसी फ्रेम में फिट करने की जिद है, बिना इस बात की परवाह किये कि उनकी इस कोशिश में उसका मूल तत्व ही फ्रेम से छिटक रहा है, कट रहा है, टूट रहा है। यकायक यह कोशिश और तेज हो गई है। जैसे किसी राजा को यकीन दिला दिया गया हो गया हो कि ऐसा ना हुआ तो अनर्थ हो जाएगा। बेचैनी इन दिनों इस कदर बढ़ी है कि नागरिकों में डर बैठाया जा रहा है, खेमे बनाए जा रहे हैं। बस एक ही कोशिश कि बांटों बांटो और बांट दो! देश के कुछ हिस्से हिंसा की चपेट में हैं, निर्दोष नागरिक मर रहे हैं लेकिन चिंता बस फ्रेम की है। यह चिंता इतनी सघन और स्वनिर्मित है कि देश की जनता को मूल खतरों से आगाह ही नहीं किया जा रहा है। दुनिया की तमाम उथल-पुथल के बीच आर्थिक खतरों और मंदी की आशंका से देश को मजबूत करने की बजाय वह अफीम दी जा रही है, जिसमें देश सब दर्द भूलकर बस नारे लगाने लगता है। नेताओं को यह लंद-फंद अब रास आ गया है। यह झूठ है तो फिर क्यों एक तरफ तो हवाई अड्डे का शिलान्यास होता है और दूसरी ओर वह बात छेड़ दी जाती है जिस पर जब बहस हुई तो सदन के नेता और नेता प्रतिपक्ष दोनों गायब थे।

'वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। आज ईमानदारी से उसका उपयोग हुआ होता तो मेरे मुसलमान नौजवानों को साइकिल के पंक्चर बनाकर जिन्दगी नहीं गुजारनी पड़ती।' यह वाक्य प्रधानमंत्री के भाषण का वह हिस्सा है जो उन्होंने हरियाणा के हिसार में हवाई अड्डे के शिलान्यास के समय डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के दिन 14 अप्रैल को दिया था। यह पहला मौका था जब वक्फ को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कुछ बोले। वक्फ संशोधन बिल दोनों सदनों में पारित होकर राष्ट्रपति की मंजूरी भी पा गया लेकिन प्रधानमंत्री ने सदन की बहस में बोलना जरूरी नहीं समझा। यह अजीब ही रहा कि इस मुद्दे पर न तो सदन के नेता और न ही नेता प्रतिपक्ष ने संसद में अपनी बात कही।

अब जब यह बयान आया है तब जाहिर है कि सभी विपक्षी दल इसकी तीखी आलोचना कर रहे हैं। उसका जिक्र यहां न भी किया जाए क्या तब भी एक महत्पूर्ण बिल संशोधन पर बात करते हुए देश के प्रधानमंत्री को अल्पसंख्यक समुदाय को यूं पंक्चर जोड़ने वाला कह देना क्या पद की गरिमा के अनुकूल कहा जाएगा? तब क्या कचरा,गटर साफ करने वाले,कंद-मूल खाने वाले जंगलवासी जैसे सम्बोधन भी समुदायों को इस बड़े पद से दिए जाएंगे? अव्वल तो किसी भी समाज के बारे में केवल एक काम के दायरे में लेकर बात करना कतई मुनासिब नहीं है। दूसरे, पंक्चर बनाने में बुराई ही क्या है? जैसे कि प्रधानमंत्री चाय बेचने का जिक्र भी गर्व से करते हैं क्योंकि वह भी एक काम है। सच है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। बेशक काम न करना जरूर शर्म का पर्याय होना चाहिए। यूं 'पंक्चरवाले' का जिक्र कतिपय नेता और सोशल मीडिया पर कुछ लोग एक समुदाय को ट्रोल करने के लिए करते हैं।

यह शब्दावली गुजरात में 2002 के दंगों के बाद भी तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्तेमाल की थी। उन्होंने कहा था- प्रदेश की आबादी बढ़ रही है, गरीब तक धन नहीं पहुंच रहा है इसलिये वे पंक्चर बनाने के काम में लगे हैं। 2019 में कर्नाटक के भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने भी सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) का विरोध करने वालों को अशिक्षित और पंक्चर जोड़ने वाला बताया था। ऐसा ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में कह चुके हैं कि वोट बैंक की राजनीति में कांग्रेस ने मुसलमानों को पंक्चर वाला बना दिया। पंक्चर बनाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी लंबे समय से अपनी बात इसी तरह रखती रही है। सवाल कांग्रेस से भी होने चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति चाय बेचते हुए देश के सबसे बड़े पद पर पहुंच सकता है तो पंक्चर बनाने वाला क्यों नहीं पहुंचा?

आखिर कौन इस तुष्टिकरण का लाभार्थी बना है? इसे मान भी लिया जाए तो अब तक ग्यारह सालों में क्यों भाजपा सरकार हालात को नहीं बदल पाई? क्या वाकई अब इस संशोधित बिल के बाद सरकार रॉबिनहुड की भूमिका में आ जाएगी जो वक्फ की हुई संपत्ति को दोबारा अपने हिसाब से पंक्चर बनाने वालों को वक्फ करेगी। इस संशोधित बिल पर दोनों सदनों में बहस के बाद अब देश के सर्वोच्च न्यायालय में बेहद गंभीर लेकिन रोचक बहस जारी है।

कोर्ट ने कहा है कि संसद में पास कानून पर स्टे नहीं देते पर ये केस अपवाद है। सवाल पूछ लिए गए हैं कि 'बोर्ड के सदस्य को पांच साल से इस्लाम धर्म का अनुयायी होना चाहिए' की क्या परिभाषा होगी; वक्फ बोर्ड में हिन्दू सदस्य होंगे तो क्या हिन्दू धार्मिक बोर्ड में भी मुस्लिम सदस्य होंगे; कलेक्टर को सर्वोच्च अथॉरिटी कैसे बनाया जा सकता है? बहरहाल बहस में इसके जवाब मिलेंगे। फिलहाल तो यही सपना दिखाया जा रहा है कि इस तीसरे कार्यकाल में गाड़ियों के पंक्चर बनाने वाले खुद गाड़ियां बनाने-बेचने लगेंगे।

इधर संशोधन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती शायद पूर्व कानून मंत्री और वर्तमान में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू को परेशान कर रही है। वे दोनों सदनों में बड़ी तैयारी से बहस में आए थे। तब उन्होंने यह भी बताया था कि किस तरह पुराने संसद भवन को भी वक्फ संपत्ति बताया जाता है और सेना के बाद वक्फ के पास तीसरी सबसे ज्यादा सम्पत्तियां हैं। हालांकि उनके इस दावे को भी लगातार चुनौती मिल रही है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को भी बोर्ड में रखने की बात कही थी। नया मोड़ यह है कि मंत्रीजी ने कहा है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट विधायिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करेगा। कानूनविद इसे धमकी के दायरे में रख रहे हैं। वे कहते हैं कि किसी भी लोकतांत्रिक गणराज्य की यही शक्ति होती है कि जब भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों को चुनौती मिले वह न्याय का रुख कर सकें। न्यापालिका और विधायिका में टसल और बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है लेकिन यदि इसे खत्म करने की कोशिश हुई तो आप सीधे आपातकाल को न्योता देंगे।

वैसे अतीत में भी किरन रिजिजू की जुबां से ऐसे-ऐसे तीर निकले हैं जिसके बाद उन्हें कानून मंत्री के पद से हटना पड़ा था। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के कॉलेजियम सिस्टम को संविधान के लिए 'एलियन' यानी अजनबी बताया था, रिटायर्ड जजों को देश विरोधी गैंग करार दिया था और उन्हें धमकी दे डाली थी कि जो लोग देश विरोधी काम कर रहे हैं उन्हें कीमत चुकानी होगी। रिजिजू ने कहा कि- जज यह ना कहें कि सरकार नियुक्ति से जुड़े फैसलों की फाइल पर बैठी रहती है, फिर फाइल सरकार को न भेजें। खुद को नियुक्त करें। खुद सारा शो चलाएं।

मंत्री ने यह भी कहा था कि जजों ने संविधान को हाईजैक कर लिया है। रिजिजू के एक बयान से ऐसा भी जाहिर हुआ था कि वे लोकतंत्र के मुख्य स्तम्भों के समन्वय को ही नहीं समझना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा था- 'जज एक बार बनते हैं। उन्हें चुनाव नहीं लड़ना पड़ता। जनता उन्हें बदल नहीं सकती। जिस तरह जज काम करते हैं, इन्साफ करते हैं, जनता उनके फैसलों को देख रही है।' अभियान तो उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने भी चलाया था कि जजों की नियुक्ति का अधिकार और शक्ति चुनी हुई सरकार के पास होनी चाहिए।

धनकड़ का सीधा तर्क था कि लोकतंत्र में जज भी सरकार तय करे, कॉलेजियम नहीं। जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि- अगर यह सिस्टम सही नहीं है तो सरकार नया कानून लाए। इस पृष्ठभूमि में रिजिजू की इस बात को कैसे लिया जाए जो उन्होंने सुनवाई से ठीक पहले एक चैनल को साक्षात्कार में कही- 'हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर कल को सरकार न्याय-व्यवस्था में दखल दे तो यह ठीक नहीं होगा। सभी शक्तियों के अधिकार सुपरिभाषित हैं।' बहरहाल सरकार ने अपना संदेश भेज दिया है कि उसे अपने फैसले को किस फ्रेम में फिट करना है।

संपादक की कलम से

वक्फ कानून की विसंगतियां सामने आई

संसद द्वारा पिछले दिनों पारित किये गये वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ मिली लगभग 75 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुनवाई की। गुरुवार की सुनवाई के बाद अदालत ने सरकार से एक हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। वहीं अगली सुनवाई 5 मई को होगी। इस कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कपिल सिब्बल व अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं तथा सरकार का प्रतिनिधित्व महाधिवक्ता तुषार मेहता ने अदालत में किया। दोनों पक्षों के बीच हुई बहस और न्यायाधीशों द्वारा पूछे गये सवालों एवं उनके हस्तक्षेप के माध्यम से जो मुद्दे उभरे हैं वे साफ बताते हैं कि यह कानून धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है, साथ ही संविधान के मूलभूत सिद्धांतों, खासकर समानता व नागरिक अधिकारों पर प्रहार है। इस बेहद विवादास्पद कानून की वैधता पर फैसला जो भी आये, जिरह से साफ है कि संशोधित वक्फ कानून लोकतंत्र व संवैधानिक व्यवस्था में आस्था रखने वालों को संतुष्ट करने वाला कतई नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने जब बुधवार को सुनवाई प्रारम्भ की थी, तभी एडवोकेट सिब्बल ने इस कानून की अनेक विसंगतियों को सामने ला दिया। उन्होंने इसे 20 करोड़ लोगों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों को हड़पने वाला कानून बताया और कहा कि यह धार्मिक आजादी तथा धार्मिक मामलों में प्रबंधन की स्वतंत्रता के विरूद्ध है। उन्होंने कानून की धारा 36 के हवाले से कहा कि सम्पत्ति न हो तो भी वक्फ बनाया जा सकता है और वह रजिस्टर्ड हो या न हो, यह वक्फ करने वाले पर निर्भर है। कानून में वक्फ को पंजीकृत करने की अनिवार्यता पर उन्होंने कहा कि वक्फ सैकड़ों साल पहले तब बनाये गये थे जब सम्पत्तियों का पंजीकरण नहीं होता था। स्वयं चीफ जस्टिस ने महाधिवक्ता के ध्यान में लाया कि बहुत सी मस्जिदें 13वीं से 15वीं शताब्दी के दौरान बनी हैं। अंग्रेजी शासनकाल के पहले पंजीकरण नहीं होता था तो उसका सेल डीड कैसे दिखाया जा सकता है। एक अन्य वकील हुफेजा अहमदी ने बतलाया कि सरकार ने धारा 3 के जरिये वक्फ की परिभाषा ही बदल दी है। सरकार द्वारा वक्फ के लिये इस्लाम में आस्था साबित करना भी अनिवार्य कहा गया है। उन्होंने सवाल किया- 'जब कोई जन्म से ही मुस्लिम है तो उसे आस्था को साबित करने की जरूरत ही क्या है।'

स्वयं सीजेआई ने बुधवार को सुनवाई के दौरान पूछा कि क्या सरकार हिन्दू ट्रस्टों मे गैर मुसलमानों को रखेगी, जिसके जवाब में तुषार मेहता का जवाब हास्यास्पद व टालमटोल करने वाला था। उनके अनुसार किसी ट्रस्ट में गैर हिन्दू सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। इस मुद्दे पर तुषार मेहता की यह टिप्पणी अप्रिय रही जिसमें उन्होंने यह कहा कि इस हिसाब से तो इस मामले पर कोई गैर मुसलिम जस्टिस भी सुनवाई नहीं कर सकते। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा कि कोर्ट के जज जब कोई धार्मिक विवाद को सुनते हैं तो निजी आस्थाओं से ऊपर उठकर तथा कानून के अनुसार ही फैसले देते हैं। सॉलिसिटर जनरल की जस्टिसों पर हुई निजी टिप्पणी बतलाती है कि वे इस मामले के कमजोर जमीन पर खड़े होने से वाकिफ हैं।

ऐसे ही, शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा कि कोई सम्पत्ति वक्फ की है या नही, यह सिविल कोर्ट को ही तय करने दिया जाये तो बेहतर। नये कानून में यह अधिकार कलेक्टर के पास चला गया है। जब एड. मेहता ने कहा कि उपयोगकर्ता द्वारा 1925 के पहले भी वक्फ स्वीकार किया जाता था, तो बेंच ने पूछा कि नये कानून में उसे अपंजीकृत किया जायेगा या शून्य माना जायेगा। इसका भी संतोषजनक जवाब मेहता के पास न होना बताता है कि सरकार यह बिल पर्याप्त तैयारियों के बिना ही लायी है और जैसे कि सरकार संसद में दावा करती रही है कि इसका उद्देश्य वक्फ का फायदा मुस्लिमों को दिलाना है, कहीं परिलक्षित नहीं होता। रेलवे व सेना के बाद वक्फ के पास सबसे ज्यादा जमीनें होने पर भी जिस तरह से सरकार व भारतीय जनता पार्टी जोर देती रही है, वह यह दशार्ता है कि उनकी निगाहें वक्फ की जमीनों को हथियाना है। वक्फ बाय यूजर इस कानून का सबसे नाजुक बिन्दु है। जो सम्पत्ति धार्मिक कामों के लिये इस्तेमाल में लाई जा रही है परन्तु रजिस्टर्ड नहीं है, वह वक्फ बाय यूजर कहलाती है। नये कानून में सरकार उसे ले सकती है। हालांकि यह सभी धर्मों की सम्पत्तियों के मामले में है (हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध) लेकिन सरकार ने यह प्रावधान मुसलमानों के धार्मिक न्यासों के लिये लाकर बता दिया है कि इस कानून का उद्देश्य साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण भी है।

वक्फ कानून पर सुनवाई की अगली तारीख देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने निर्देश दिये कि इस बीच केन्द्रीय वक्फ परिषद तथा बोर्डों में कोई नियुक्तियां नहीं होनी चाहिये। बेंच ने यह भी कहा कि इतनी सारी याचिकाओं पर सुनवाई सम्भव नहीं है, इसलिये कोर्ट केवल 5 याचिकाओं को सुनेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष 8 अगस्त को केन्द्र सरकार ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 पेश किया था जिसका उद्देश्य वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन कर वक्फ की सम्पत्तियों में पारदर्शिता तथा सुप्रबन्धन लाना बतलाया गया था। इसमें वक्फ कानून 1923 को रद्द करने का भी प्रस्ताव है। इस कानून का संसद के भीतर और बाहर तत्काल कड़ा प्रतिरोध हुआ था।

कहीं आप भी तो बिना वजह नहीं खा रहे डोलो टेबलेट? हो सकते हैं ये नुकसान

कोरोना काल के बाद से देश में डोलो 650 कई सामान्य बीमारियों का इलाज बन गई है. बुखार हो, सिर दर्द हो या फिर शरीर में दर्द, बिना डॉक्टर की सलाह लोग डोलो खा लेते हैं. डोलो खाने से समस्या का समाधान तो हो जाता है, लेकिन इसके कई गंभीर साइड इफेक्ट भी हैं. डोलो 650 की खपत इतनी ज्यादा होना चिंताजनक है. एक अमेरिकी डॉक्टर ने भारत में डोलो 650 की खपत को लेकर ट्वीट भी किया गया है. उन्होंने कहा है कि भारतीय चॉकलेट की तरह डोलो 650 खा रहे हैं

डोलो 650 कोरोना काल के दौरान सामने आई थी. इस समय बुखार के मरीजों को यह दवा दी जा रही थी. कोरोना काल बीत गया, लेकिन देश में इसका प्रयोग नहीं रुका. डोलो 650 को लेकर डॉक्टरों को आर्थिक लाभ पहुंचाए जाने का मामला भी सामने आया था. फिलहाल यह दवा देश भर में प्रचलन में है. इस दवा को बिना डॉक्टर की सलाह के लिया भी जा रहा है. कुछ लोग तो कई दिन तक यह दवा लेते भी रहते हैं. बिना यह सोचे कि बिना डॉक्टर की सलाह और बिना जरूरत होने पर यह दवा खाने से गंभीर साइड इफेक्ट होते हैं.

बिना प्रिस्क्रिप्शन के मिल जाती है

डोलो 650 मेडिकल स्टोर से लेने के लिए किसी तरह के प्रिस्क्रिप्शन की जरूरत नहीं होती है. स्टोर संचालक केवल मांगने पर ही यह दवा दे भी देते हैं. इस दवा को कोरोना काल में सामान्य बुखार में प्रयोग करने के लिए डॉक्टरों ने कहा था. लेकिन, अब यह दवा आसान पहुंच के कारण कई और बीमारियों में भी ली जा रही है. जबकि उन बीमारियों को बिना दवा के भी ठीक किया जा सकता है. तुरंत असर होने और आराम मिलने के कारण लोग इस दवा को ले रहे हैं.

क्या होते हैं साइड इफेक्ट

डॉक्टर बताते हैं कि इस दवा को बिना जरूरत लेने और जरूरत से ज्यादा लेने पर एलर्जी हो सकती है. इतना ही नहीं इस दवा को लगातार लेने से लिवर और किडनी की गंभीर समस्या हो सकती है. इस दवा के खाने से स्ट्रेस भी बढ़ता है. कई जांच के जरिए यह भी साबित हो चुका है कि इस दवा की ओवरडोज एक्यूट लिवर फेलियर का भी कारण बन सकती है. यह दवा शरीर के अंदर गंभीर बीमारी के लक्षणों को दबा देती है, जिससे आगे चलकर खतरा ज्यादा बढ़ सकता है.

घोटालेबाज और लुटेरे

हेरा-फेरी कर सत्ता में आई राज्य की मौजूदा सरकार के धोखाधड़ी और लूट-खसोट के कारनामे आए दिन सामने आ रहे हैं। अब जालना जिले में एक भयानक मामला सामने आया है। खुलासा हुआ है कि तलाठी, ग्राम सेवक और कृषि सहायक इन सभी ने प्रभावित किसानों के राहत अनुदान के करोड़ों रुपए हड़प लिए हैं। खास बात यह है कि उपजिला अधिकारी ने माना है कि यह करीब ५० करोड़ का गबन है। सरकार ने भारी बारिश, बाढ़ और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत अनुदान देने की घोषणा की थी। फर्जी किसान दिखाकर सब्सिडी में हेरा-फेरी की गई। कहा जा रहा है कि अब इस घोटाले की जांच चल रही है और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जालना में हुए इस किसान अनुदान घोटाले से राज्य सरकार का भ्रष्ट चेहरा एक बार फिर सामने आया है। सत्ताधारी मंडली जो चाहे दावा कर रही हो, लेकिन सत्ता में आने के बाद से समाज के

हर घटक से धोखाधड़ी

की जा रही है। वादे तोड़े जा रहे हैं। इस मंडली को सत्ता में लाने में लाडली बहनों का बहुत बड़ा योगदान था, लेकिन सत्ता मिलते ही इस मंडली ने लाडली बहनों को ह्यअसली चेहराह्ण दिखाना शुरू कर दिया। कई नए नियम और मानदंडों का हौवा तैयार किया गया। पात्रता की जांच को अधिक कठोर बनाया गया। जिसके चलते विधानसभा चुनाव से पहले जो लाखों बहनें ह्यलाडलीह्ण थीं, सत्ता स्थापित होने के बाद वे ह्यलाडलीह्ण नहीं रहीं। उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इसके बाद राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री ने यह फरमान जारी किया कि नारंगी और पीले राशन कार्ड धारकों को छोड़कर बाकी सभी के आवेदन का सत्यापन किया जाएगा। अब ७ लाख ७४ हजार लाडली बहनों को १,५०० की जगह सिर्फ ५०० रुपए आर्थिक मदद दी जाएगी। वजह ये है कि इन महिलाओं को ह्यनमो शेतकरी सम्मान योजनाह्ण से भी फायदा हो रहा है, ऐसा कहा जा रहा है। जो हाल लाडली बहनों का है वही सामान्य किसानों का है। ह्यहम किसानों का कर्ज माफ करेंगे यानी करेंगे हीह्ण हुक्मरानों ने ऐसा

सार्वजनिक आश्वासन

दिया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने लाडली बहन योजना के आर्थिक बोझ का हवाला देकर यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया कि अब भी किसानों को कर्जमाफी देना संभव नहीं है। एक रुपए की फसल बीमा योजना भी रद्द कर दी गई। अन्न दाताओं से जुड़ी कई अन्य योजनाएं भी बंद कर दी गईं। लाडली बहन, किसान कर्जमाफी समेत कई अन्य मामलों में मौजूदा सरकार बारात के पीछे घोड़े नचाने का काम कर रही है। चुनाव प्रचार के दौरान नए नियम-कायदों के ये घोड़े कहां चर रहे थे?

तमिलनाडु के राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का फैसला केरल के लिए एक बड़ी राहत

- पी. श्रीकुमारन

इस बीच, तमिलनाडु ने विधायी इतिहास रच दिया जब राज्य सरकार ने सरकारी राजपत्र में 10 अधिनियमों को अधिसूचित किया, जिससे वे राष्ट्रपति या राज्यपाल की मंजूरी के बिना कानून बनने वाले पहले विधेयक बन गये। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हुआ है कि राज्य विधानसभा द्वारा पुनः अपनाये गये और राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति को भेजे गये इन विधेयकों को 'मंजूरी' मिल गयी है।

तमिलनाडु के सन्दर्भ में राज्य विधान सभाओं द्वारा पारित विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने केरल को एक बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश से उत्साहित केरल यह तर्क देने के लिए तैयार है कि तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों को केरल के मामले में भी लागू किया जाना चाहिए और विधेयकों को राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किये जाने की तिथि पर ही स्वीकृत माना जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि केरल ने पहले भी पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के इसी तरह के कृत्यों के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया था। इसने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा कई विधेयकों पर मंजूरी न देने के कृत्य के खिलाफ भी सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

केरल का तर्क इस प्रकार होगा : राज्यपाल द्वारा विधेयकों पर बैठे रहना और बाद में उन्हें राष्ट्रपति के पास भेजना 'कानूनी रूप से

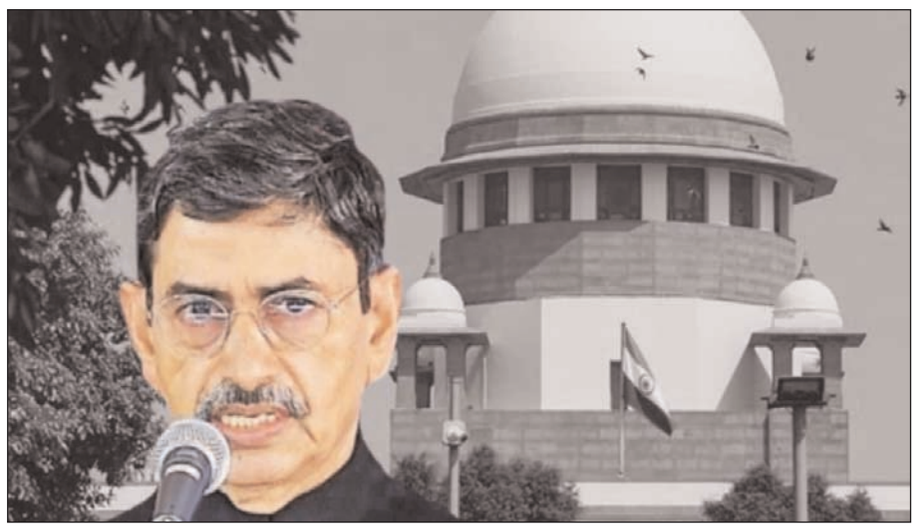

त्रुटिपूर्ण' था। राज्य द्वारा इस तथ्य को उजागर किया जायेगा कि राष्ट्रपति ने विधेयकों पर सहमति न देने का कोई कारण नहीं बताया था। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रपति को लंबित विधेयकों पर मंजूरी देने से इंकार करते समय स्पष्ट और पर्याप्त रूप से विस्तृत कारण बताने चाहिए।

केरल के मामले में राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहे विधेयकों में शामिल हैं: विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक, 2021; विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 2) विधेयक, 2021; केरल सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022; और विश्वविद्यालय कानून (संशोधन संख्या 3) विधेयक, 2022, जिसे राज्यपाल ने राष्ट्रपति को भेजा था। इसके अलावा केरल राज्य निजी विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) विधेयक, 2025; केरल राज्य बुजुर्ग आयोग विधेयक, 2025 और केरल औद्योगिक अवसंरचना विकास (संशोधन) विधेयक, 2024 भी मंजूरी के लिए लंबित हैं।

केरल के तर्कों में एक निर्णायक बात यह होगी: तमिलनाडु के मामले में शीर्ष अदालत द्वारा तैयार किये गये दिशा-निदेर्शों को अपनी शिकायतों पर लागू करने से पता चलेगा कि आरिफ मोहम्मद खान के कृत्य भी कानून की दृष्टि से गलत थे और इसलिए उन्हें रद्द किया जाना चाहिए। संयोग से, खान ने विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजा था, जब उन्होंने उन्हें अध्यादेश के रूप में प्रख्यापित किया था !महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत, जिसने राज्यपालों के लिए विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समय-सीमा निर्धारित की है, ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनकी भूमिका तीन विकल्पों तक सीमित थी: स्वीकृति देना, स्वीकृति रोकना या विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित करना।

यदि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने या मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक के उनके पास पहुंचने के एक महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि वे मंजूरी न देने का निर्णय लेते हैं, तो विधेयक को तीन महीने के भीतर राज्य विधानमंडल को वापस करना होगा। राज्यपाल विधेयक को प्राप्त करने के तीन महीने के भीतर राष्ट्रपति के पास भेजने के लिए भी सुरक्षित रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों से यह भी कहा है कि वे विधानमंडल द्वारा पुनः पारित और पुनः प्रस्तुत किये गये विधेयकों को एक महीने के भीतर मंजूरी प्रदान करें। तमिलनाडु के राज्यपाल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में, केरल जल्द ही राज्यपाल की मंजूरी के लिए विधेयकों को प्रस्तुत करेगा।

व्हाइट हाउस ने कोविड 'लैब लीक' के लिए चीन को ठहराया जिम्मेदार, बाइडेन पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने एक कोविड-19 वेबसाइट लॉन्च की, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की उत्पत्ति के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया है। साइट के मुताबिक वुहान के एक लैब से ये वायरस लीक किया गया। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, अमेरिका के पूर्व शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी एंथनी फाउसी और विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी कोरोना वायरस की उत्पत्ति को दबाने की भी आलोचना की गई है। व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर अब कोविड-19 लैब-लीक थ्योरी को समर्पित एक पूरा पेज है। यह घटना सीआईए द्वारा एक रिपोर्ट जारी करने के कुछ सप्ताह बाद आई है जिसमें कहा गया था कि प्रयोगशाला से लीक की आशंका है। एजेंसी ने पहले कहा था कि उसके पास कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए पर्याप्त जानकारी नहीं है। नया वेबपेज उस साइट पर है, जो कोविड-19 टीकाकरण प्रयासों के लिए संसाधन के रूप में कार्य करती थी। अब इसमें एक बैनर है जिसमें लिखा है लैब लीक, द ट्रू ओरिजिन्स ऑफ कोविड-19 (यानि कोविड उत्पत्ति की सच्चाई)।

यूएनआईडीओ ने विश्वव्यापी सहयोग का आह्वान करते हुए अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी की आलोचना की

वियना। संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) ने अपनी वेबसाइट पर एक लेख प्रकाशित किया, जिसमें वैश्विक आर्थिक विकास और औद्योगिक विकास पर अमेरिका की हालिया टैरिफ वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई है। यूएनआईडीओ ने जोर देकर कहा कि टैरिफ बढ़ोतरी गलत दृष्टिकोण अपनाती है, यह इंगित करते हुए कि उनकी गणना और कार्यान्वयन में उनके इच्छित परिणामों की उपलब्धि का समर्थन करने के लिए सबूत की कमी है। लेख के अनुसार ये टैरिफ औद्योगिक उत्पादन की लागत को बढ़ाते हैं, जिससे आर्थिक दक्षता कम हो जाती है, व्यापार के लाभ कम हो जाते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर हो जाती है। यूएनआईडीओ ने चेतावनी दी कि ऐसी नीतियां अंततः दुनिया भर में नौकरियों को खतरे में डाल देंगी, जिससे सबसे कमजोर देश सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे।

कनाडा में अग्रिम मतदान के लिए मतदाताओं की उमड़ी भीड़

ओटावा। कनाडा में संघीय चुनाव के लिए अग्रिम मतदान शुक्रवार से शुरू हो गए हैं, जिससे मतदाताओं को आधिकारिक मतदान दिवस 28 अप्रैल से पहले अपना वोट डालने के लिए कई दिन मिल गए। कनाडा के कई शहरों में लोग लंबी कतारों में खड़े नजर आए। सोशल मीडिया के मुताबिक, कई अग्रिम मतदान केंद्रों पर वोट डालने के लिए एक घंटे तक का इंतजार करना पड़ा। न्यूज ने चुनाव कनाडा के प्रवक्ता डगाल्ड मौडस्ले के हवाले से कहा, देशभर में मतदान को लेकर काफी रुचि दिखाई दे रही है और कई केंद्रों पर भीड़ देखी जा रही है। प्रवक्ता ने कहा कि पहले दिन भारी मतदान जरूरी नहीं कि कुल मतदान भी ज्यादा होगा, लेकिन संकेत उसी ओर इशारा कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कनाडा के चुनाव आयोग ने बताया कि अब तक 1.3 लाख से अधिक कनाडा के लोग विशेष मतपत्र से वोट डाल चुके हैं, जो 2021 के मुकाबले दोगुना है। एजेंसी उन कनाडाई लोगों को विशेष मतपत्र जारी करती है जो चुनाव के दिन या अग्रिम मतदान तक इंतजार नहीं करना चाहते हैं। 2019 में करीब 50 लाख और 2021 में 58 लाख लोगों ने अग्रिम मतदान किया था। उस दौरान कुल मतदाता भागीदारी 2019 में 67 प्रतिशत और 2021 में 62.2 प्रतिशत रही थी।

भारतीय दूतावास ने कनाडा में भारतीय छात्रा की मौत पर जताया शोक

टारंटो। कनाड़ा में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने गत गोलीबारी की घटना में एक भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है।भारतीय महावाणिज्य दूतावास, टारंटो ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, ÷हम हैमिल्टन, ओन्टारियो में भारतीय छात्रा हरसिमरत रंधावा की दुखद मौत से बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार, वह एक निर्दोष पैड़िता थी, दो वाहनों पर हुई गोलीबारी की घटना के दौरान अचानक एक गोली लगने से उसकी मृत्यु हो गई। फिलहाल हत्या की जांच चल रही है। हम उनके परिवार के साथ निकट संपर्क में हैं और सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारे विचार और प्रार्थनाएँ शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।कनाडा में एक 21 वर्षीय भारतीय छात्रा की गोली लगने से मौत से उस समय मौत हो गयी जब वह काम पर जाने के लिए बस स्टॉप पर इंतजार कर रही थी तभी एक कार सवार ने गोली चला दी। हरसिमरत रंधावा ओंटारियो के हैमिल्टन में मोहॉक कॉलेज की छात्रा थीं। हैमिल्टन पुलिस हत्या की जांच कर रही है और कह रही है कि सुश्री रंधावा एक निर्दोष दर्शक थीं।

फेसबुक, एक्स, इंस्टा ने नहीं सुनी नेपाल सरकार की बात, अब प्रतिबंध लगाने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार की ओर से बार-बार आग्रह करने के बाद भी कई सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में सरकारी निर्देशों के मुताबिक पंजीकरण कराने से इनकार कर दिया। इससे नाराज नेपाल सरकार ने अब इन सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता एवं सूचना- संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरूंग ने शनिवार को काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जिन सोशल मीडिया साइट्स ने नेपाल में अपना पंजीकरण नहीं कराया है, उन पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी चल रही है। पहले तीन महीना और फिर बाद में एक महीने का समय दिया गया। इसके बाद भी सोशल प्लेटफार्म फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम ने नेपाल में पंजीकरण

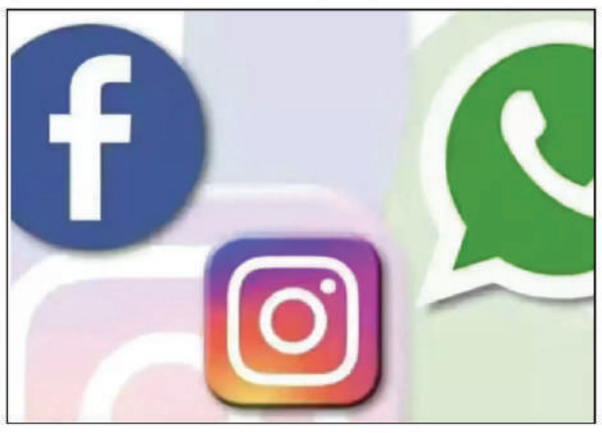

नहीं कराया है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को अंतिम एक महीने की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी है, इसलिए रविवार को नेपाल में पंजीकरण नहीं करने वाले सभी सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय किया जाएगा। नेपाल के नियम कानून को नहीं मानने वाले, नेपाल सरकार की सूचना को बेवास्त करने वाले सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रतिबंध आवश्यक है। नेपाल सरकार अपने कानून के मुताबिक फेसबुक, एक्स, वाट्सएप और इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाएगी। नेपाल सरकार द्वारा सूचना जारी करने के बाद अब तक सिर्फ यूट्यूब, वाइबर, वीचैट और टिकटॉक ने नेपाल में अपना पंजीकरण कराया है। बाकी कंपनियों ने नेपाल सरकार के इस फरमान का जवाबी पत्र तक नहीं भेजा है। फेसबुक, वाट्सएप, मैसेंजर जैसी सोशल मीडिया साइट्स चलने वाली मेटा कंपनी ने तो नेपाल सरकार के साथ वर्चुअल मेटिंग तक से इंकार कर दिया है।

उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चार आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से उनके ठिकाने पर मुठभेड़ की, जिसमें चारों आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि मारे गए आतंकी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने बुधवार को डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में चार आतंकवादियों को मार गिराया था।एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मृत्यु हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 कर्मियों की मृत्यु हो गई तथा 43 अन्य घायल हो गए।

बांग्लादेश में हिन्दू नेता की पीट-पीट कर हत्या

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हिन्दुओं की हत्या क्रम थम नहीं रहा है। अब हन्दू समुदाय के प्रमुख नेता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के उपाध्यक्ष भाबेश चंद्र राय की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इसे लेकर बांग्लादेश के हिन्दू समुदाय में रोष और भय का माहौल है। उत्तरी बांग्लादेश के दिनाजपुर में प्रमुख हिन्दू नेता भाबेश चंद्र राय परिवार के साथ रहते थे। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक करीब शाम पांच बजे का समय रहा होगा। तभी अपराधियों ने राय को फोन किया। उन्होंने घर पर ही होने के बारे में बताया। 30 मिनट बाद ही चार लोग दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए। भावेश को घर से उठा ले गए। उन्हें बदमाश नाराबारी गांव ले गए, वहां पर उन्हें जमकर पीटा गया। बदमाशों के चंगुल से किसी तरह छूट कर राय रात को घायल अवस्था में घर पर पहुंचे और बेहोश हो गए। परिवार के लोग उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बांग्लादेश

के बिराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुस सबूर ने बताया कि इस मामले आरोपियों की तलाश की जा रही है। भाबेश चंद्र राय की गिनती बांग्लादेश के प्रमुख हिन्दू नेता के रूप में होती थी। जब भी हिन्दुओं पर अत्याचार हुए तो राय ने जमकर विरोध प्रदर्शन किए थे। इसके लिए कई बार उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां भी मिली थीं।गौरतलब है कि बीते दिन ही भारत की ओर से बांग्लादेश को फटकार लगाई थी। कहा था कि वह अपने यहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान दें। लेकिन इसके बाद भी हिन्दुओं की प्रमुख नेता की हत्या कर दी गई।

भूकंप के झटकों से थर्राया अफगानिस्तान, कश्मीर तक कांपी धरती; रिक्टर पैमाने पर 5.9 रही तीव्रता

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के तजाकिस्तान बॉर्डर के पास की धरती शनिवार सुबह भूकंप के झटकों से कांप उठी. भूकंप के तेज झटकों ने इलाके में दहशत फैला दी. रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई. इसका असर सिर्फ अफगानिस्तान तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उत्तरी भारत के जम्मू-कश्मीर तक झटके महसूस किए गए. सुबह-सुबह धरती हिलते ही लोग घरों से बाहर निकल आए और कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. अनुसार, यह भूकंप शनिवार, 19 अप्रैल 2025 को सुबह 6 बजकर 47 मिनट और 55 सेकंड (ज़ष्ट समयानुसार) पर आया. इसका केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र पर था. भूकंप की गहराई करीब 86 किलोमीटर मापी गई, जो इसे एक मध्यम-गहराई वाला भूकंप बनाती है। भूकंप की वजह से अफगानिस्तान के बदख्शान और आसपास के इलाकों में झटके अधिक तीव्रता से महसूस किए गए. हालांकि अब तक किसी जानमाल के नुकसान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,

लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में लोगों के घरों से बाहर भागने और डर के माहौल की खबरें सामने आ रही हैं. भूकंप का केंद्रवर्ती क्षेत्र काफी पहाड़ी और कठिन भूगोल वाला है, जिससे वहां राहत और रेस्क्यू ऑपरेशन्स में चुनौती आ सकती है। भारत के जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए. श्रीनगर, बारामूला और अनंतनाग जैसे इलाकों में सुबह-सुबह धरती हिलते ही लोग सहम गए और बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए. स्थानीय प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है. मौसम विभाग और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

नेपाल में राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह की सभी समितियों की मान्यता ख़ारिज की

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के पक्ष में लंबे समय से राजनीति कर रही राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) और पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के बीच दरार पैदा हो गई है। पार्टी ने पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सभी संगठन समूह, अभियान आदि की मान्यता को खारिज कर दी है। इतना ही नहीं, पार्टी ने फैसला लिया है कि पूर्व राजा के अभियान में जुड़ने पर पार्टी की सदस्यता स्वतः खारिज हो जाएगी।

पार्टी की केन्द्रीय समिति की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में पत्रकार सम्मेलन में जानकारी दी गई। पार्टी प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ ने बताया कि अब से नेपाल में राजसंस्था की वापसी के लिए पार्टी के नेतृत्व में ही कोई भी अभियान या आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी के नेताओं को पार्टी गतिविधि के अलावा अन्य किसी भी प्रकार के अभियान या आंदोलन में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के ऐसे सभी पदाधिकारियों का पद स्वतः खत्म हो जायेगा, जो अन्य किसी समूह संगठन या अभियान में सक्रिय हैं। पार्टी ने अपने सभी नेताओं को इस तरह के अभियानों से अलग होने की हिदायत भी दी गई है। पार्टी की तरफ से 20 अप्रैल को काठमांडू के निषेधित क्षेत्र में संसद भवन के आगे प्रदर्शन करके सामूहिक गिरफ्तारी देने की घोषणा की गई है।

दरअसल, पिछले दिनों पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने राजशाही के पक्ष में राजनीति करने वाली आरपीपी पार्टी को दरकिनार करते हुए उसी पार्टी के कुछ नेताओं को अपने निवास में बुलाकर अलग अभियान की घोषणा करने को कहा था। शाह के निर्देशन के बाद पार्टी के उपाध्यक्ष रवीन्द्र मिश्र, महामंत्री धवल शमशेर राणा, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश चंद लोहनी, केंद्रीय सदस्य नवराज सुवेदी को बुलाकर राजसंस्थ पुनर्स्थापना संयुक्त संघर्ष समिति का गठन किया गया था। इसमें सुबेदी के नेतृत्व में गठित इस समिति में रविन्द्र मिश्र को निदेशक समिति का संयोजक बनाया गया, जबकि धवल शमशेर के नेतृत्व में आंदोलन समिति की घोषणा की गई। इसी तरह पूर्व राजा ने दुर्गा प्रसाई को जनांदोलन समिति का कमांडर बनाया था।

पिछले 28 मार्च को काठमांडू में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद उस समिति के संयोजक नवराज सुवेदी अभी तक हाउस अरेस्ट हैं, जबकि रविन्द्र मिश्र और धवल शमशेर को पुलिस ने उसी रात को गिरफ्तार किया था। इसी तरह पूर्व राजा के आंदोलन का कमांडर बनाए गए दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार करके नेपाल लाया गया है।

चीन ने नये परीक्षण उपग्रहों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया

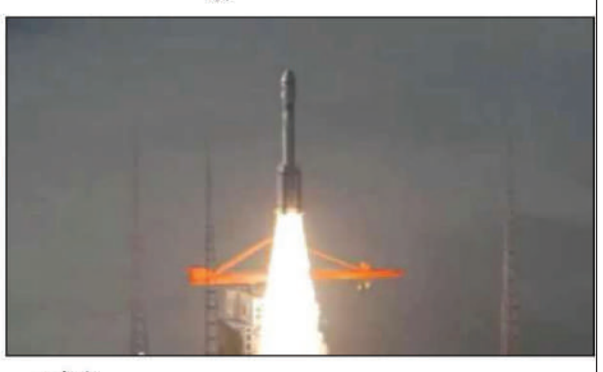

एजेंसी

ताइयुआन। चीन ने उत्तरी चीन के शांक्सी प्रांत में ताइयुआन सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से छह नए परीक्षण उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे। छह शियान-27 उपग्रहों को बीजिंग समयानुसार सुबह 6ः51 बजे एक संशोधित लॉन्ग मार्च-6 वाहक रॉकेट पर लॉन्च किया गया और सफलतापूर्वक पूर्व निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश किया गया।इनका उपयोग मुख्य रूप से अंतरिक्ष पर्यावरण अन्वेषण और संबंधित प्रौद्योगिकी परीक्षणों के लिए किया जाएगा।यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट श्रृंखला के 570वें उड़ान मिशन का प्रतीक है।

यमन के तेल बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमले, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 80

एजेंसी

सना । यमन के ईंधन बंदरगाह रास ईसा पर अमेरिकी हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई। वहीं 150 अन्य लोग घायल हुए। यह जानकारी हूती संचालित स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को दी। ये हमले हुए, जिनमें बंदरगाह और आयातित ईंधन के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कई कंक्रीट टैंकों को निशाना बनाया गया। समाचार एजेंसी के अनुसार, पीड़ित बंदरगाह के कर्मचारी हैं, जिनमें पांच पैरामेडिक्स भी शामिल हैं। रास ईसा बंदरगाह यमन के लाल सागर के पास होदेदाह शहर के उत्तर-पश्चिम में स्थित है। यह हूती ग्रुप के कब्जे वाले क्षेत्रों में ईंधन के आयात का मुख्य स्रोत है। 2014 के अंत में सरकार के खिलाफ गृह युद्ध शुरू करने वाले हूती विद्रोहियों का उत्तरी यमन के बड़े हिस्सों पर नियंत्रण है। मार्च के मध्य में वाशिंगटन ने हूती ठिकानों पर हमले फिर से शुरू किए

थे। रिपोर्ट के अनुसार, दो लहरों के दौरान ईंधन बंदरगाह पर 14 से अधिक हवाई हमले किए गए, जिससे आयातित ईंधन को संग्रहीत करने वाले कंक्रीट टैंक नष्ट हो गए और बड़े पैमाने पर आग लग गई। रिपोर्ट में कहा गया कि आग को कुछ ही घंटों में बुझा दिया गया। एक निवासी ने सिन्हुआ से कहा कि पीड़ितों में बंदरगाह के कर्मचारी, ट्रक चालक, अनुबंधित श्रमिक और नागरिक प्रशिक्षु शामिल थे। उन्होंने कहा कि शवों को निकालने और आग बुझाने वाले बचाव दलों को भी बाद के हमलों में निशाना बनाया गया। इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (यूएससीईएनटीकॉम) ने एक बयान में पुष्टि की थी कि उसने गुरुवार को रास ईसा पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया, ताकि हूती ग्रुप के ईंधन और आर्थिक शक्ति को नष्ट किया जा सके। जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका ने हूती ग्रुप को एक आतंकवादी संगठन के रूप में फिर से नामित किया। हूती विद्रोहियों ने हमलों की निंदा करते हुए इसे पूर्ण युद्ध अपराध बताया। उन्होंने अमेरिका और यमनी सरकार के आरोपों को खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि बंदरगाह एक सिविल जगह है, न कि सैन्य अड्डा। जारी एक बयान में, हूती ग्रुप ने कहा कि अमेरिकी हमलों का उद्देश्य फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अपराधों में इजरायल का समर्थन करना था। उन्होंने फिलिस्तीनियों के लिए अपना समर्थन अभियान जारी रखने की कसम खाई।इस बीच, ग्रुप ने दावा किया कि उसने लाल सागर में इजरायल के सभी नौवहन को सफलतापूर्वक रोक दिया।

गाजा सिविल डिफेंस का दावा, 'इजरायली हवाई हमलों में 45 फिलीस्तीनी मारे गए'

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में हुए इजरायली हवाई हमलों में करीब 45 फिलीस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह जानकारी गाजा की सिविल डिफेंस ने दी। सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में बरका परिवार के घर पर हुए एक हवाई हमले में 10 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा एक बार्बर शॉप पर हुए हमले में छह लोग मारे गए, जिनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल हैं। खान यूनिस में अन्य स्थानों पर हुए हवाई हमलों में आठ और लोग मारे गए, जबकि दक्षिणी रफाह शहर में दो लोगों की जान चली गई। वहीं उत्तरी गाजा के तल अल-जातार इलाके में मकदाद परिवार के घर पर हुए हमले में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। गाजा सिटी में दो बेघर कैंपों पर हुए हमलों में छह और लोगों की मौत हुई। सिविल डिफेंस ने चेतावनी दी है कि ईंधन की कमी के कारण आने वाले दिनों में उनकी आपात सेवाएं बंद हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि इजरायल की ओर से मानवीय सहायता और ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिससे राहत कार्यों में मुश्किलें आ रही हैं। गाजा के अल-त्वाम इलाके में विस्थापित नागरिकों के टेंट पर हुए एक और हमले में दो फिलीस्तीनी मारे गए और छह घायल हो गए। वहीं जबालिया में नागरिकों के एक समूह को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक युवक की मौत हो गई।इजरायली सेना (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि उन्हें खुफिया जानकारी के आधार पर गाजा में आतंकवादी संगठनों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने गाजा में लगभग 40 लक्ष्यों पर हमला किया, जिनमें आतंकियों के ठिकाने, सैन्य ढांचे और हथियारों के गोदाम शामिल थे। पूर्वी गाजा सिटी के शुजैया और जैतून इलाकों में भी भारी बमबारी और हवाई हमले हुए, जिसमें कई रिहायशी इमारतें तबाह हो गईं।

पिछले गुरुवार को भी इजरायली सेना ने गाजा पट्टी में ड्रोन, हवाई और तोपों से हमले किए थे, जिसमें 45 फिलीस्तीनी मारे गए थे। यह जानकारी वहां के मेडिकल स्टाफ, सिविल डिफेंस और प्रत्यक्षदर्शियों ने दी थी। अक्टूबर 2023 से शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक 51,000 से अधिक फिलीस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

इक्वाडोर में सशस्त्र हमले में ग्यारह लोग मारे गए

एजेंसी

क्विटो। इक्वाडोर के तटीय प्रांत मनाबी में मुर्गों की लड़ाई के स्थान पर सामूहिक गोलीबारी में कम से कम 11 लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। प्रसारक इक्वाविसा के अनुसार यह हमला एल कारमेन कैंटन के वालेंसिया शहर में स्थानीय समयानुसार रात 11ः30 बजे हुआ जब सैन्य वर्दी पहने सशस्त्र लोगों का एक समूह तीन वाहनों में आया और उपस्थित लोगों पर गोलीबारी शुरू कर दी। जीवित बचे लोगों ने कहा कि हमलावरों ने पुरस्कार राशि में से लगभग 20,000 अमेरिकी डॉलर भी चुरा लिए। अधिकारियों का मानना ??है कि यह नरसंहार संगठित अपराध समूहों से जुड़ा हुआ था। पीड़ितों को सैंटो डोमिंगो प्रांत के नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया जहाँ अधिकांश मौतों की पुष्टि हुई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और जिम्मेदार लोगों के बारे में जानकारी देने वालों को इनाम देने की घोषणा कर रही है। इस नरसंहार को मनाबी के इतिहास में सबसे घातक सशस्त्र हमला माना गया है। आपराधिक गिरोहों से जुड़ी हिंसा में वृद्धि के बीच 12 अप्रैल को प्रांत को 60 दिनों के आपातकाल के तहत रखा गया है। जनवरी 2024 से इक्वाडोर आंतरिक सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। सरकार ने 22 गिरोहों को आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

वैज्ञानिकों ने स्वस्थ और कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की पहचान के लिए विकसित किया नया तरीका

एजेंसी

टोक्यो । जापान की टोक्यो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक नई खोज की है। उन्होंने पाया कि बिना पहचान वाली कोशिकाओं की गति को ध्यान से देखा जाए, तो यह पता लगाया जा सकता है कि वे कोशिकाएं कैंसर वाली हैं या स्वस्थ। शोधकर्ताओं ने एक प्रयोग में दो तरह की कोशिकाओं को देखा। उन्होंने एक डिश पर कैंसर वाली फाइब्रोसारकोमा कोशिकाएं और स्वस्थ फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाएं देखीं। उन्होंने पाया कि इन कोशिकाओं के रास्तों को ट्रैक करके और उनका विश्लेषण करके, उन दोनों के बीच 94 प्रतिशत तक सटीकता से अंतर किया जा सकता है। पीएलओएस वन नामक पत्रिका में छपे इस अध्ययन के अनुसार, यह तकनीक सिर्फ बीमारी का पता लगाने के अलावा कोशिका गति से जुड़े काम (जैसे क्षतिग्रस्त ऊतक की मरम्मत) पर भी रोशनी डाल सकती है। प्रोफेसर हिरोमी मियोशी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों की टीम ने कोशिकाओं को देखने का एक तरीका खोजा। यह तरीका फेज-कंट्रास्ट माइक्रोस्कोपी

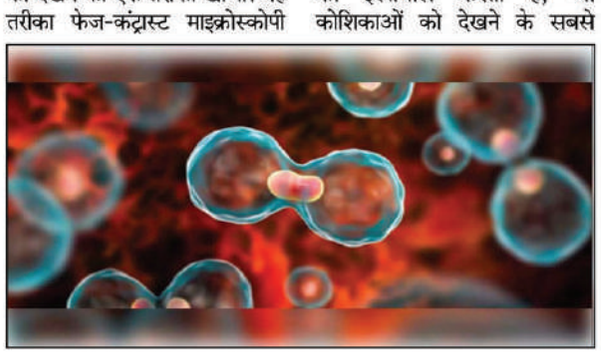

का इस्तेमाल करता है, जो कोशिकाओं को देखने के सबसे आम तरीकों में से एक है। यह तकनीक पूरी तरह लेबल फ्री होती है। इसलिए कोशिकाएं पेट्री डिश पर स्वाभाविक रूप से घूम सकती हैं। साथ ही, जिस प्लास्टिक की पेट्री डिश में कोशिकाओं को देखा जाता है, उसके ऑप्टिकल गुणों का इस पर कोई असर नहीं पड़ता तस्वीर देखने की इस इनोवेटिव तकनीक से, शोधकर्ता बहुत सारी अलग-अलग कोशिकाओं के रास्तों को खोज पाए। उन्होंने उन रास्तों की कुछ खास बातों पर ध्यान दिया, जैसे कि कोशिकाएं कितनी तेजी से जा रही थीं और उनके रास्ते कितने मुड़े हुए थे। ये सब बातें कोशिकाओं के आकार बदलने और हिलने-डुलने में छोटे-छोटे अंतरों को दिखाती हैं। एक जांच में, शोधकर्ताओं ने स्वस्थ फाइब्रोब्लास्ट कोशिकाओं (जो जानवरों के ऊतकों का मुख्य भाग हैं) और घातक फाइब्रोसारकोमा कोशिकाओं (कैंसर वाली कोशिकाएं) की तुलना की। वे यह दिखाने में सफल रहे कि ये कोशिकाएं थोड़े अलग तरीकों से चलती हैं। उनकी चाल और गति अलग-अलग थी। इन सब चीजों को मिलाकर, 94 प्रतिशत सटीकता के साथ वे यह बता सकते थे कि कोई कोशिका कैंसर वाली है या नहीं। टीम का यह काम न केवल कैंसर की कोशिकाओं को अलग करने का एक नया तरीका बताता है, बल्कि इससे कोशिकाओं की गतिशीलता पर आधारित किसी भी जैविक काम (जैसे घाव भरना और ऊतकों का बढ़ना) के अध्ययन में भी मदद मिलेगी।

मीरा एंड्रीवा को हराकर एलेक्जेंड्रोवा पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

स्टटगार्ट (जर्मनी)। रूस की महिला टेनिस खिलाड़ी एकटरीना एलेक्जेंड्रोवा ने हमवतन मीरा एंड्रीवा को हराकर पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने महिला एकल वर्ग में 65 मिनट तक चले मुकाबले में छठी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-2 से हराकर पोर्श टेनिस ग्रैंड प्रिक्स टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। एलेक्जेंड्रोवा का क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला से मुकाबला होगा। पेगुला ने पोलैंड की मैग्डेलेना फ्रेच को 6-1, 6-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंची हैं।

साई ने असम को हराकर ग्रुप जी में बनाई बढ़त

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के पहले दिन ग्रुप जी में असम को 4-0 से हराया। यहां रामकृष्ण मिशन आश्रम मैदान में खेले गये मुकाबले में साई की ओर से राजकुमार लैंचेनबा सिंह ने 36वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद ओइनम रोमियो सिंह ने 68वें मिनट में बढ़त को दोगुना कर दिया। तीसरा गोल वाशम ने 81वें मिनट में गोलकर स्कोर 3-0 कर दिया। कप्तान रॉबर्ट थोकचोम ने 85वें मिनट में चौथा गोल किया।दिन के एक अन्य मैच में ओडिशा और गोवा बीच मुकाबला गोल रहित ड्रॉ खेला। परिणामस्वरूप, भारतीय खेल प्राधिकरण अब तीन अंकों के साथ ग्रुप जी में शीर्ष पर है, उसके बाद ओडिशा और गोवा एक-एक अंक के साथ और असम एक भी अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

ल्योन को हराकर मैनचेस्टर यूनाइटेड और यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को हराकर यूरोपा लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। खेले गये रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ल्योन को 5-4 से हराया। मैनचेस्टर ने 4-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए ल्योन पर यह जीत दर्ज की। मैच के शुरु में रुबेन एमोरिम की टीम ल्योन के खिलाफ 2-0 से आगे चल रही थी। इसके बाद ल्योन ने दो गोल दाग कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। ल्योन ने अतिरिक्त समय में दो गोल करके स्कोर 4-2 कर बढ़त बना ली। महज सात मिनट के अंतर में यूनाइटेड ने तीन गोलकर यह रोमांचक मुकाबला जीता। ब्रूनो फर्नांडीस की पेनल्टी के बाद , कोबी मैनू ने गोलकर स्कोर 4-4 कर दिया और इसके कुछ देर बाद ही यूनाइटेड के हैरी मैग्वायर मैच विजय गोल दागा।

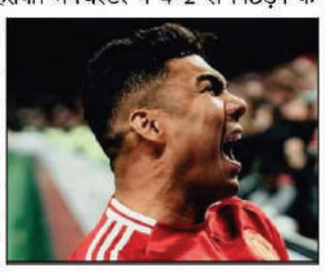

श्याम लाल और आईजीआई कॉलेज की विजयी शुरुआत

नयी दिल्ली। बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज ने पुरुष वर्ग और आईजीआई कॉलेज ने महिला वर्ग में जीत के साथ शुरुआत की।श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हराया। श्याम लाल कॉलेज की ओर से अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक- एक गोल किए। प्रत्यूष सिंह जग्गी को प्लेयर ऑफ मैच का पुरस्कार मिला।

वहीं महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराया। विजेता टीम की ओर से एकमात्र गोल आंचल ने किया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि, ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, प्रिंसिपल एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने किया।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अलक़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे-एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल-अम्मार के आसान टैप-इन गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल-अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण,

डुरान ने गंवाया सुनहरा मौका: दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी

84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओताविियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास

लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल

इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

मास्टर्स गेम्स 20 अप्रैल से धर्मशाला में, देश भर से करीब साढे चार खिलाड़ी करेंगे शिरकत

एजेंसी

धर्मशाला। नेशनल मास्टर्स गेम्स 2025 का आयोजन इस बार धर्मशाला में हो रहा है। यह पहला मौका जब इन खेलों का आयोजन हिमाचल में किया जा रहा है। खेल नगरी धर्मशाला में मास्टर्स गेम्स 20 से 26 अप्रैल तक किया जा रहा है। नेशनल मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के निदेशक विनोद कुमार ने शाम धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि इस दौरान देश भर से करीब साढ़े चार हजार खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि मास्टर्स गेम्स के दौरान करीब 24 विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में नौजवान और बुजुर्ग खिलाड़ी दम खम दिखाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह पहला मौका है जब हिमाचल में मास्टर्स गेम्स का आयोजन हो रहा है। इससे पूर्व पिछले वर्ष मास्टर्स गेम्स का आयोजन गोवा में हुआ था। उन्होंने बताया कि गेम्स को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

एफ 1: क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

एजेंसी

जेद्दाह। फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक

पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इच्छुक हैं।हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर

इटली के अखबार 'गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट' ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी

कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह — जेम्स वाउल्स

मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

आईपीएल 2025: मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य- हरप्रीत बरार

एजेंसी

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल

पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, ज़ेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी: लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अच्छा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाज: वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें आईपीएल का बेस्ट बॉलर बताया। अय्यर ने कहा, मैच से पहले हम

नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया। चहल ने शानदार गेंदबाजी की और अहम विकेट दिलाए।

अगला मुकाबला फिर आरसीबी से

पंजाब किंग्स का अगला मुकाबला अब 20 अप्रैल को न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ ही होगा।

सीएसके ने चोटिल गुरजपनीत की जगह डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में किया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बड़ा बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने चोटिल युवा तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल किया है।

आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए चोटिल गुरजपनीत सिंह के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को अनुबंधित किया है। वह 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके का हिस्सा बनेंगे। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस इस सत्र से पहले हुई

मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा था। अब सीएसके ने उन्हें अपने साथ जोड़ा है। डेवाल्ड ब्रेविस ने कुल 81 टी20 मैच खेले हैं और 162 के उच्चतम स्कोर के साथ 1787 रन बनाए हैं। उन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और अब तक दो टी20 मुकाबले खेले हैं। ब्रेविस आईपीएल में इससे पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खेल चुके हैं, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। इससे पहले सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह टीम ने युवा आयुष म्हात्रे को शामिल किया था। वहीं कप्तानी की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में है। सीएसके की टीम आईपीएल के मौजूदा सीजन में संघर्ष कर रही है। टीम ने अब तक खेले अपने सात मैचों में से मात्र दो में जीत दर्ज की है, जबकि 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम 4 अंक के साथ पॉइंट टेबल में सबसे नीचे 10वें पायदान पर है।

प्रयागराज का हरिस सोनीपत में बना टेनिस चैंपियन

एजेंसी

प्रयागराज। जिले के संत जोसफ कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र हरिस खान ने सोनीपत में 14 से 18 अप्रैल तक चली एआईटीए (चैंपियनशिप सीरीज-7) के अंडर-12 टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर एकल खिताब अपने नाम किया। हरिस ने फाइनल में सौर्य शेरवत को 2-6, 6-0, 7-5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह जानकारी धूमनगंज हरवारा निवासी छात्र के पिता महफूज खान ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हरिस ने टॉप सीडेड अदयान कुमार सोनी को 6-4, 6-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। हरिस ने लगातार दूसरे सप्ताह अपनी जीत का क्रम जारी रखते हुए ये सफ़लता हासिल की है। ये जीत उनके अथक परिश्रम व प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने प्रयागराज का नाम रोशन किया। इस जीत के साथ हरिस ने अपने टेनिस कैरियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है और भविष्य में और बड़ी सफलताएं हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बेटा हरिस इलाहाबाद जिमखाना अकादमी में सैफ इकबाल से प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

आरसीबी को घरेलू मैदान पर मैच जीतने का तरीका खोजना होगा, लगातार तीसरी हार पर बोले टिम डेविड

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड को लगता है कि उनकी टीम को घरेलू मैदान, स्टेडियम में खेलने के लिए एक खाका खोजने की जरूरत है क्योंकि शुक्रवार को उन्हें लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने ऋषक को पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2025 सीजन के लिए इस मैदान पर अपना जीत रहित रिकॉर्ड बरकरार रखा। यह ऋषक की इस मैदान पर 46वीं हार थी जो कि आईपीएल में किसी भी फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी हार है।

आज रात बारिश हुई और पिच कवर के नीचे थी और यह जानना मुश्किल था कि पिच कैसा खेलेगी। हमने अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। हमें कुछ मैच जीतने के लिए कोई रास्ता निकालने की जरूरत है। हमें जल्दी से फिर से संगठित होना होगा क्योंकि हम पंजाब से खेलेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का

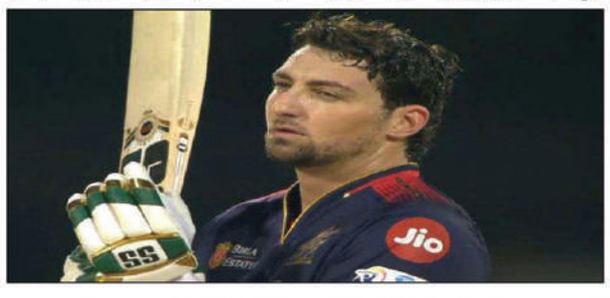

पुरस्कार दिया गया, ने परिस्थितियों को बल्लेबाजी के लिए कठिन बताया, लेकिन टीम प्रबंधन के उन्हें नंबर 7 पर भेजने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, टयह इतना आसान नहीं लगा (उस डेक पर बल्लेबाजी करना)। मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। मुझे लगता है कि निश्चित रूप से ऊपर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों ने मुझे परिस्थितियों के बारे में बताया। मुझे यह देखने का मौका मिल रहा था कि पिच क्या कर रही है। अभ्यास पिचें भी ऐसी ही रही हैं। इन परिस्थितियों में खेलने का तरीका खोजने की कोशिश की। हमारे कोचिंग स्टाफ और प्रबंधन ने एक खास कारण से टीम बनाई है। मैं बहुत खुश हूं और मुझे लगता है कि मैं इस समय अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। मैं योगदान दे सकता हूं, लेकिन कोचों पर भरोसा है कि वे मुझे बताएंगे कि मैं कहां रन बना सकता हूं। डेविड ने कहा, %अगर मुझे ऊपर बल्लेबाजी करने का मौका मिलता है, तो मैं अपनी टीम के लिए योगदान देने की कोशिश करूंगा। कई बार जब आप बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो यह काम नहीं आता। बैंगलोर में कई बार चुनौती गेंदबाजों के साथ बल्लेबाजी करने और साझेदारी बनाने की रही है। रात मुश्किल थी। आपको थोड़ा जोखिम उठाना पड़ा।' सात मैचों में आठ अंक के साथ RCB अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और रविवार को न्यू चंडीगढ़ के न्यू पीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी।

हमें फाइनल में पहुंचने के लिए घर से बाहर भी अच्छा खेलना होगा: हार्दिक

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा है कि हमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के फाइनल में पहुंचने के लिए घरेलु मैदान के अलावा बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सनराइजर्स हैदराबाद पर मिली जीत के बाद हार्दिक ने कहा, यह एक मुश्किल विकेट था। इस पर 160 का स्कोर थोड़ा कम था। यहां गेंदें रूक कर आ रही थीं। हमने अच्छी तैयारी की थी। मुझे लगता है कि हमने गेंदबाजी के दौरान अच्छा प्रयास किया। हमें विकेटों की आवश्यकता थी। ईशान, हर्षल और मैं अंतिम ओवरों के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं। हमें एक या दो अच्छे ओवर चाहिए थे। इसलिए हमने राहुल चहर को अवसर दिया था।

हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज और आईजीआईपीईएसएस की जीत से शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी के श्याम लाल कॉलेज ने चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट में हंसराज कॉलेज को 4-0 से हरा दिया। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज की ओर से आयोजित टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि ध्यानचंद अवॉर्डी हॉकी ओलंपियन अशोक दीवान और प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, एसजीटीबी खालसा कॉलेज प्रिंसिपल ने किया। श्याम लाल कॉलेज की तरफ से अतुल चौधरी, प्रियांशु रावत, प्रत्यूष सिंह जग्गी और आकाश ने एक-एक गोल किए। इस मैच का प्लेयर ऑफ मैच का अवार्ड श्याम लाल कॉलेज के खिलाड़ी प्रत्यूष सिंह जग्गी को मिला। महिला वर्ग के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज

(आईजीआईपीईएसएस) ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराया। विजेता टीम की तरफ से एकमात्र गोल आंचल ने किया और प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी आंचल को मिला।

आईएसएसएफ विश्व कप: महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में आठवें स्थान पर रहीं श्रीयंका सदांगी

एजेंसी

लीमा। पेरिस ओलंपिक निशानेबाज श्रीयंका सदांगी यहां आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं। वह इस डबल लेग वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गई, लेकिन स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गई, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था। फाइनल में श्रीयंका ने अपने पहले प्रयास में 10.5 के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिश की ओर बढ़ना शुरू हुआ, श्रीयंका हारती गईं। उनका सबसे अच्छा मौका तब था जब वे दूसरे प्रोन पोजीशन के दो और शॉट के साथ छठे स्थान पर पहुंच गई थीं, लेकिन 9.8 और 9.3 के रिटर्न ने उनकी चुनौती को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया। उन्होंने अपना अंतिम शॉट 9.9 के साथ पूरा किया और 400.7 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं ब्राजील की जियोवाना मेयर के साथ बाहर हो गईं।पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाली यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता। सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। गुरुवार को तीसरे दिन प्रतियोगिता के अंत में भारत दो

स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच सका और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) स्पर्धा में क्वालीफाइंग के पहले दौर के बाद उन्हें बहुत कुछ करना था। महिलाओं की 3पी स्पर्धा में भी पहले दो नीलिंग और प्रोन पोजीशन के बाद भारतीयों को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन श्रीयंका, आशी चौकसे और पिछले विश्व कप स्वर्ण विजेता सिफ्ट कौर समरा ने फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार गति पकड़ी और क्वालीफाइंग मार्क के लिए दौड़ लगाई। श्रीयंका 588 के ठोस स्कोर के साथ सातवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहीं,आशी नौवें स्थान पर रहीं जबकि सिफ्ट 11वें स्थान पर रहीं, दोनों 587 पर रुकीं और इस तरह मामूली अंतर से चूक गईं। पुरुषों की 3पी में ऐश्वर्या तोमर, नीरज कुमार और चैन सिंह क्रमशः 17वें, 18वें और 19वें स्थान पर रहे। पहले दो निशानेबाजों ने 587 के समान स्कोर बनाए और कुछ अंकों से अंतिम क्वालीफाइंग मार्क से चूक गए, जबकि चैन ने 586 स्कोर बनाए। इस दिन 25 मीटर की स्पर्धा भी हुई, जिसमें अनीश, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह सभी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में क्वालीफाइंग के पहले दिन शीर्ष छह क्वालीफाइंग मार्क से बाहर रहकर अपना स्थान बनाया।

ऐसा हुआ तो पति जहीर से तलाक ले लेंगी

सोनाक्षी सिन्हा

दुनियावालों के सामने खाई कसम

एक्टर सैफ अली खान की बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस सोहा अली खान ने हाल ही में अपनी दूसरे धर्म में शादी पर खुलकर बात की है. उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि हिंदू धर्म में शादी करने पर उन्हें लोग ट्रोल करते हैं और दिवाली, होली मनाने पर उन्हें उनका धर्म याद दिलाया जाता है. सोशल मीडिया पर लोग उनकी पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें ताने मारते हैं. ऐसा ही कुछ दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी और एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा के साथ भी होता है.सोनाक्षी सिन्हा ने भी दूसरे धर्म में शादी की है. साल 2010 में फिल्म 'दबंग' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू करने वाली सोनाक्षी ने साल 2024 में ही एक्टर जहीर इकबाल से शादी रचाई थी. शादी के समय से ही एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है. उनके और जहीर के रिश्ते पर लोग भड़काऊ कमेंट्स भी करते हैं. एक बार फिर से कुछ ऐसा ही हुआ. एक शख्स ने ये तक कह दिया कि जहीर और सोनाक्षी का तलाक जल्द ही होगा. इसके बाद एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया वो सुर्खियां बटोर रहा है. सोशल मीडिया

पर एक्ट्रेस ने बड़ा वादा कर दिया.

शख्स ने की सोनाक्षी-जहीर के तलाक की बात

जहीर और सोनाक्षी एक दूसरे के साथ अक्सर ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते रहते हैं. हाल ही में सोनाक्षी ने एक पोस्ट शेयर किया था, जिसपर एक शख्स ने हदें पार करते हुए दोनों के तलाक की बात कह दी. शख्स ने कमेंट में लिखा, आपका तलाक बहुत करीब है.

सोनाक्षी ने खाई ऐसी कसम

सोनाक्षी सोशल मीडिया यूजर के इस तरह के कमेंट पर भड़क उठीं. एक्ट्रेस ने उसे मुंहतोड़ जवाब दिया और एक वादा भी सोशल मीडिया पर फैंस के सामने कर डाला. एक्ट्रेस ने रिएक्ट करते हुए लिखा, पहले तेरे मामी पापा करेंगे (तलाक), फिर हम. प्रॉमिस. सोनाक्षी के इस कमेंट की सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है. फैंस एक्ट्रेस की इस हाजिरजवाबी की तारीफ कर रहे हैं.

7 साल की डेटिंग के बाद रचाई थी शादी

सोनाक्षी और जहीर ने एक दूसरे को साल 2017 से डेट करना शुरू किया था. सात साल की डेटिंग के बाद कपल ने साल 2024 में एक्ट्रेस के घर पर सिविल मैरिज की थी. इसके बाद उन्होंने मुंबई में रिसेप्शन पार्टी रखी थी, जिसमें कई सेलेब्स शामिल हुए थे.

रेखा के पैर छुए, सारा अली खान से की गपशप, फिर चर्चा में आया 'हीरामांडी' का ये एक्टर

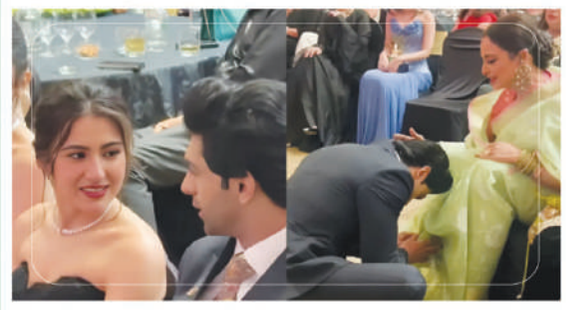

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में अपनी परफॉर्मेंस से सबका दिल जीतने वाले ताहा शाह बादशाह एक बार फिर सोशल मीडिया पर छा गए हैं. दरअसल इस बार उनके वायरल होने की वजह कोई मूवी या सीरीज़ नहीं, बल्कि उनका स्वभाव है. उनके कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिनमें वो रेखा और सारा अली खान के साथ दिखाई दे रहे हैं.वायरल हुए वीडियो में ताहा शाह दिग्गज एक्ट्रेस रेखा के पैर छूते हुए नजर आ रहे हैं. रेखा भी बड़े प्यार से ताहा के सिर पर हाथ रखकर उन्हें आशीर्वाद दे रही हैं. इसके बाद काफी देर तक दोनों बातचीत करते हैं. वहीं, उनके पीछे बैठी लापता लेडीज़ फेम नितांशी गोयल ताहा और रेखा के इस मोमेंट की गवाह बनीं.

लोगों ने क्या कहा ?

जब ताहा रेखा के सामने रिस्पेक्ट दिखाने के लिए झुके तो ये मोमेंट मानो लोगों का दिल छू गया. एक यूज़र ने लिखा, ताहा जेंटलमैन हैं. एक अन्य ने लिखा, शाहरुख खान बनने की नाकाम कोशिश.

अवॉर्ड शो में ताहा शाह ग्रे कलर के सूट में काफी डैशिंग लग रहे थे. रेखा हमेशा की तरह साड़ी में नजर आई. उन्होंने पिस्ता ग्रीन कलर की साड़ी को बड़े झुमकों के साथ पेयर किया. आपको जानकर हैरानी होगी कि संजय लीला भंसाली ने 20 साल पहले हीरामंडी में लीडिंग रोल रेखा को ऑफर किया था. इस बात की जानकारी मनीषा कोराला ने एक इंटरव्यू के दौरान दी थी.

सारा के साथ मजेदार केमिस्ट्री

अवॉर्ड शो से वायरल हुए दूसरे वीडियो में ताहा और सारा अली खान हंसते-हंसते एक-दूसरे से मजेदार बातचीत करते दिखे. दोनों के इस वायरल वीडियो पर फैंस भी लगातार कमेंट कर रहे हैं. लोग इस वीडियो को देखने के बाद दोनों की जोड़ी बनाने लगे. एक ने लिखा, दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी है, साथ में फिल्म करनी चाहिए. सारा अली खान काले गाउन के साथ डायमंड नेकलेस पहने दिखीं.

ताहा ने हीरामंडी में अपनी एक्टिंग और लुक्स के जरिए सबको हैरान कर दिया था. उन्होंने सीरीज़ में ताजदार बलोच का किरदार निभाया था. सीरीज़ की रिलीज़ के बाद से ही ताहा शाह बादशाह को सब लोग नेशनल क्रश बुलाने लगे थे.

1-2 नहीं, बल्कि आमिर खान की सितारे जमीन पर होंगे 10 किरदार

आमिर खान काफी लंबे वक्त से अपनी अपकमिंग फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे हैं. हालांकि, कुछ वक्त पहले ही फिल्म से जुड़ी एक खास अपडेट सामने आई, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बताया गया है. अभी की बात करें, तो पहली बार आमिर ने फिल्म से जुड़े किरदारों के बारे में बात की है. एक्टर ने बताया है कि फिल्म में 1, 2 नहीं बल्कि कुल 10 मेन किरदार होने वाले हैं.

साल 2007 में आमिर खान की फिल्म तारे जमीन पर रिलीज हुई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. यही वजह है कि जब से इस फिल्म की अनाउंसमेंट की गई है, तभी से लोगों में इसे लेकर एक्साइटमेंट काफी ज्यादा है. हाल ही में बॉलीवुड हंगामा से बातचीत के दौरान एक्टर ने फिल्म के किरदारों के बारे में बात की. एक्टर ने बताया कि 'सितारे जमीन पर' में जो मेन किरदार हैं, उनमें से कुछ डाउन सिंड्रोम, तो कुछ ऑटिस्टिक हैं.

दिव्यांगों ने भी निभाई रोल

एक्टर ने बताया कि फिल्म में कु मेन किरदारों को दिव्यांगों ने निभाई है. आमिर खान इंडस्ट्री के मिस्टर परफेक्शनिस्ट के तौर पर जाने जाते हैं. हमेशा ही एक्टर कुछ खास परेशानियों को लाते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं. फिल्म के बारे में बात करें, तो इसकी एडिटिंग का काम पूरा हो गया है. 1 मई को फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा, हालांकि फिल्म की रिलीज डेट अभी कंफर्म हो गई है, जो कि 20 जून है.

3 साल बाद होगी वापसी

इस फिल्म से पहले आमिर खान लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे, जो कि साल 2022 में रिलीज हुई थी. लंबे वक्त के बाद आमिर की वापसी को लेकर लोगों ने काफी उम्मीद लगाई हुई है.

फिल्म में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख भी शामिल हैं. जिस दिन फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो रहा है उस दिन सिनेमाघरों में अजय देवगन की फिल्म रेड 2 रिलीज हो रही है. इस फिल्म में रितेश देशमुख भी शामिल हैं.

मुंह तोड़ दूंगी...शो में आते ही

निया शर्मा

का बवाल, सीधे एल्विश यादव से लिया पंगा

कलर्स टीवी के कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 2' में निया शर्मा की धमाकेदार वापसी हो चुकी है और आते ही उन्होंने इस शो में अपना दबंग अंदाज दिखाना शुरू कर दिया है. जहां निया के फैंस उनकी वापसी से बेहद खुश हैं, वहीं शो के कुछ नए कंटेस्टेंट्स के लिए वो मुसीबत बनती दिख रही हैं. इन नए कंटेस्टेंट में से एल्विश यादव पर निया ने सबसे पहले निशाना साधा है. जी हां,बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर पर ही सबसे पहले 'सुहागन चुड़ैल' एक्ट्रेस का गुस्सा फूट पड़ा.कलर्स टीवी के सोशल मीडिया पर शेयर किया गया 'लाफ्टर शेफ' का वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है. इस वीडियो में निया शर्मा गुस्से से लाल दिखाई दे रही हैं.

दरअसल निया की टेबल से खाने का कुछ सामान गायब हो गया है. जैसे कि इस कुकिंग कॉमेडी शो में अक्सर होता है, कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के सामान पर हाथ साफ करते नजर आते हैं. लेकिन इस बार निया अपने खाने की चोरी करने वाले को कड़ी चेतावनी देती हुई नजर आ रही हैं.

निया के तेवर देख डर गए एल्विश

प्रोमो में निया शर्मा चिल्ला चिल्ला कर ये कह रही हैं कि हमारा ब्रेड कौन लेकर गया ? मुंह तोड़ दूंगी मैं घूंसा मार के. इसके बाद निया सीधे एल्विश यादव की तरफ बढ़ती हैं और कहती हैं, एल्विश, तुम्हें क्या लगता है कि मैं तुमसे डर गई हूं, ब्रो ? मेरी ब्रेड वापस करो. मैंने तुम्हें चोरी करते हुए देखा है. निया के ये तेवर देख कुछ समय के लिए एल्विश भी दंग रह जाते हैं.

कृष्णा ने उड़ाया मजाक

एल्विश अपनी सफाई में कहते हैं, मेरी तलाशी ले लो आप. इस पर निया और भी तेज आवाज में कहती हैं, एल्विश, मेरा ब्रेड और बटर वापस दो ! एल्विश पलटकर पूछते हैं, बटर भी चाहिए आपको साथ में ? बटर कहां से लाऊं ? इस गरमा गरम माहौल को देखकर कृष्णा अभिषेक मस्ती के मूड में आ जाते हैं और कहते हैं, अरे कौन कहता है कि एल्विश के आगे कोई बोल सकता है क्या ? ये लड़की तो आकर सीधा बोलना शुरू कर दी है.

परदादा से सत्य और साहस विरासत में मिला: राहुल

राहुल गांधी ने अपनी राजनीतिक यात्रा के पीछे की गहरी प्रेरणाओं के बारे में खुलकर बात की

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को अपनी राजनीतिक यात्रा के पीछे की गहरी प्रेरणाओं के बारे में खुलकर बात की और पूर्व प्रधानमंत्री एवं अपने परदादा पंडित जवाहरलाल नेहरू से प्रेरणा लेने की बात कही। यह बातचीत पूर्व सांसद संदीप दीक्षित के साथ "पॉडकास्ट-शैली" में की गई है। इसमें राहुल ने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सत्ता नहीं बल्कि सत्य की खोज ज्यादा प्रेरित करती है। उन्होंने पारिवारिक कहानियों, व्यक्तिगत प्रथाओं और नेहरू, महात्मा गांधी, डॉ भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं की स्थायी विरासत पर विचार किया। राहुल गांधी ने कहा कि संदीप दीक्षित के साथ इस पॉडकास्ट-शैली की बातचीत में मैं इस बारे में बात करता हूं कि मुझे क्या प्रेरित करता है- सत्य की खोज- और यह खोज मेरे परदादा जवाहरलाल नेहरू से कैसे प्रेरित है। वह केवल एक राजनेता नहीं थे। वह एक साधक, एक विचारक, एक ऐसा व्यक्ति था जो खतरे में मुस्कुराते हुए आगे बढ़ा और मजबूत होकर निकला। उनकी सबसे बड़ी विरासत सत्य की उनकी अथक खोज में निहित है- एक सिद्धांत, जिसने उनके द्वारा अपनाई गई हर चीज को आकार

दिया। उन्होंने हमें राजनीति नहीं सिखाई, उन्होंने हमें डर का सामना करना और सच्चाई के लिए खड़ा होना सिखाया। खोज करने, सवाल करने, जिज्ञासा में निहित रहने की जरूरत, यह मेरे खून में है। नेहरू का जिक्र करते हुए राहुल कहते हैं कि मेरी दादी उन्हें "पापा" कहती थीं। उन्होंने मुझे कहानियां सुनाईं कि कैसे वह अपने पसंदीदा पहाड़ों में एक ग्लेशियर में लगभग गिर गए थे, कैसे जानवर हमेशा हमारे परिवार का हिस्सा थे या कैसे उन्होंने कभी भी व्यायाम का एक घंटा भी नहीं छोड़ा। मेरी मां अभी भी बगीचे में पक्षियों को देखती हैं। मैं जूडो करता हूं। ये सिर्फ. शौक नहीं हैं- ये हमारी पहचान है। हम निरीक्षण करते हैं। हम अपने आस-पास की दुनिया से जुड़े रहते हैं।

'हमें न समाजवाद, न राजनीति, बल्कि हिम्मत सिखाई'

राहुल गांधी ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उन्हें नेहरू से जुड़े कई किस्से सुनाए थे। उन्होंने बताया, 'दादी ने बताया कि कैसे नेहरू पहाड़ों में घूमते हुए लगभग एक ग्लेशियर में गिर पड़े थे, कैसे जानवर उनके परिवार का हिस्सा थे और कैसे उन्होंने कभी व्यायाम छोड़ना नहीं सीखा।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरी मां आज भी बगीचे में बैठकर पक्षियों को निहारती हैं। मैं जुडो करता हूं। ये सिर्फ शौक नहीं हैं, ये हमारे स्वभाव का हिस्सा हैं। हम दुनिया को ध्यान से देखते हैं, उससे जुड़े रहते हैं और चुनौतियों का सामना शांत शक्ति से करते हैं।' राहुल गांधी ने कहा, 'महात्मा गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस ने असल में हमें डर से दोस्ती करना सिखाया। उन्होंने हमें न समाजवाद, न राजनीति, बल्कि हिम्मत सिखाई। गांधीजी ने सिर्फ सच के सहारे एक साम्राज्य को चुनौती दी।' उन्होंने कहा कि अगर आप अहिंसा में विश्वास रखते हैं तो 'सच ही आपका एकमात्र हथियार होता है। चाहे उन नेताओं के साथ कुछ भी हुआ हो, उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यही उन्हें महान बनाता है।' राहुल गांधी ने बताया कि चाहे वो बिल गेट्स से बात कर रहे हों या किसी साधारण व्यक्ति चेतराम मोची से, वे सबको एक ही नजर से देखते हैं।

नेहरू ने अत्याचार का विरोध करना सिखाया: राहुल

राहुल गांधी ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए बताया कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने उन्हें नेहरू से जुड़े कई किस्से सुनाए थे। उन्होंने बताया, 'दादी ने बताया कि कैसे नेहरू पहाड़ों में घूमते हुए लगभग एक ग्लेशियर में गिर पड़े थे, कैसे जानवर उनके परिवार का हिस्सा थे और कैसे उन्होंने कभी व्यायाम छोड़ना नहीं सीखा।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरी मां आज भी बगीचे में बैठकर पक्षियों को निहारती हैं। मैं जुडो करता हूं। ये सिर्फ शौक नहीं हैं, ये हमारे स्वभाव का हिस्सा हैं। हम दुनिया को ध्यान से देखते हैं, उससे जुड़े रहते हैं और चुनौतियों का सामना शांत शक्ति से करते हैं।' राहुल गांधी ने कहा, 'महात्मा गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस ने असल में हमें डर से दोस्ती करना सिखाया। उन्होंने हमें न समाजवाद, न राजनीति, बल्कि हिम्मत सिखाई।
गांधीजी ने सिर्फ सच के सहारे एक साम्राज्य को चुनौती दी।' उन्होंने कहा कि अगर आप अहिंसा में विश्वास रखते हैं तो 'सच ही आपका एकमात्र हथियार होता है। चाहे उन नेताओं के साथ कुछ भी हुआ हो, उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। यही उन्हें महान बनाता है।'
'मैं हर किसी से जिज्ञासा के साथ मिलता हूं'
राहुल गांधी ने बताया कि चाहे वो बिल गेट्स से बात कर रहे हों या किसी साधारण व्यक्ति चेतराम मोची से, वे सबको एक ही नजर से देखते हैं। उन्होंने कहा, 'असली नेतृत्व का मतलब नियंत्रण नहीं, करुणा होता है। आज के भारत में, जहां सच असुविधाजनक हो गया है, मैंने अपना रास्ता चुन लिया है झ मैं सच के साथ खड़ा रहूंगा, चाहे इसकी कितनी भी कीमत चुकानी पड़े'।
राहुल गांधी कहते हैं कि यही वह है, जो गांधी, नेहरू, अंबेडकर, पटेल और बोस वास्तव में सिखा रहे थेः डर से दोस्ती कैसे करें। समाजवाद नहीं, राजनीति नहीं- सिर्फ. साहस। गांधी एक ऐसे साम्राज्य के सामने खड़े हुए, जिसके पास सिर्फ. सच्चाई थी। अंततः स्वतंत्रता प्राप्त करने का

साहस दिया। कोई भी महान मानवीय प्रयास- विज्ञान, कला, प्रतिरोध- यह सब भय का सामना करने से शुरू होता है। और यदि आप अहिंसा के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो सत्य ही आपका एकमात्र हथियार है।
चाहे उनके साथ कुछ भी किया गया हो, वे इससे पीछे नहीं हटे। यही बात उन्हें महान नेता बनाती है।
राहुल ने कहा कि चाहे मैं बिल गेट्स से बात कर रहा हूं या चेतराम मोची से, मैं उनसे एक ही जिज्ञासा के साथ मिलता हूं।
क्योंकि वास्तविक नेतृत्व नियंत्रण के बारे में नहीं है। यह करुणा के बारे में है। और आज के भारत में जहां सत्य असुविधाजनक है, मैंने अपना चुनाव कर लिया है। मैं इसके लिए खड़ा रहूंगा। चाहे कोई भी कीमत क्यों न चुकानी पड़े।

कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के बीच देश भर में रैलियां कर देगी गुजरात अधिवेशन का संदेश

नई दिल्ली
कांग्रेस 25 अप्रैल से 30 मई के दौरान अलग-अलग चरणों में देश भर में रैलियां करेगी। इन रैलियों का आयोजन 25 से 17 मई तक राज्य स्तर, विधानसभा स्तर और जिला स्तर पर किया जाएगा और आखिरी चरण में 20 से 30 मई के दौरान घर-घर सम्पर्क किया जाएगा। यह निर्णय शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में एआईसीसी महासचिवों, कांग्रेस प्रभारियों और विभिन्न आनुषंगिक संगठनों के अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक में किया गया। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इन निर्णयों की पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि 09 अप्रैल को अहमदाबाद में आयोजित एआईसीसी अधिवेशन में पारित प्रस्तावों पर पार्टी आगे बढ़ेगी। अहमदाबाद सत्र में न्याय पत्र, सम्पर्क, समर्थन और संघर्ष प्रस्ताव अपनाया गया था। उसी क्रम में 15 और 16 को राहुल गांधी गुजरात गए और उन्होंने बेलगावी अधिवेशन में पारित प्रस्ताव संगठन सृजन अभियान की शुरूआत की। वहां 31 मई तक नए अध्यक्षों की नियुक्ति की जाएगी। गुजरात के बाद अन्य राज्यों में भी डीसीसी केंद्रित संगठन सृजन अभियान चलाया जाएगा। जयराम रमेश ने बताया कि आज बैठक में तय किया गया कि देश भर में पार्टी 25 से 30 अप्रैल तक राज्य स्तर पर, 03 से 10 मई तक जिला स्तर पर, 11 से 17 मई तक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संविधान बचाओ रैलियां करेगी। 20 से 30 मई तक घर-घर संविधान बचाओ सम्पर्क किया जाएगा। इस तरह 25 अप्रैल से 30 मई तक अहमदाबाद अधिवेशन के सामाजिक और आर्थिक न्याय के प्रस्तावों को घर-घर तक पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश के संविधान पर आक्रमण हो रहा है, न्याय और कानून के बहाने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ईडी जैसी संस्था का दुरुपयोग किया जा रहा है, इस मुद्दे को लेकर 21 और 24 अप्रैल के दौरान विभिन्न राज्यों और जिलों में कांग्रेस प्रेस कान्फ्रेंस करेगी और सच्चाई से देशवासियों को रूबरू कराएगी। अहमदाबाद अधिवेशन में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हमारी प्रमुख मांगें रहीं।

बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हुए देश के अलग-अलग स्थानों पर विहिप का प्रदर्शन

नई दिल्ली
पश्चिम बंगाल में हिंदू समुदाय के खिलाफ व्यापक हिंसक घटनाओं के विरोध में विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान शनिवार को देश के अलग-अलग स्थानों पर कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। विहिप ने आज दिल्ली के नांगलोई जिला में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ज्ञापन सौंपा। इसमें हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न की घटनाओं के कारण पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई है। विहिप अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बांगड़ा

ने इस अवसर पर कहा कि बंगाल में आज हिन्दुओं की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। बंगाल में वक्फ का बहाना बनाकर हिंसा की जा रही है। जबकि यह कानून मुसलमानों के सामाजिक कल्याण के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में घर जलाए गए, दुकानें लूटी गईं, मवेशी छीन लिए गए और बहु-बेटियों की इज्जत को खतरे में डाला गया। राज्य सरकार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रही है और इसके किसी मंत्री या मुख्यमंत्री ने अब तक पीड़ित परिवारों से मुलाकात नहीं की है। वहां के पीड़ित परिवारों को अपनी जान बचाने के लिए पलायन करना पड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी सऊदी क्राउन प्रिंस के साथ लेंगे रणनीतिक परिषद की दूसरी बैठक में भाग

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय (22-23 अप्रैल) सऊदी अरब यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ क्षेत्रीय और विश्व मामलों पर विचार-विमर्श करेंगे। दोनों नेता भारत-सऊदी अरब की रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेंगे। परिषद की पहली बैठक क्राउन प्रिंस की 2023 में हुई यात्रा के दौरान हुई थी।
प्रधानमंत्री मोदी और क्राउन प्रिंस के बीच इजराइल-फिलिस्तीन से

जुड़ी पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचार-विमर्श होगा तथा लाल सागर में नौवहन सुरक्षा पर खतरे पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कुछ करार होने की भी संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच रक्षा संपर्क का विस्तार हुआ है तथा स्थल और नौसेना के संयुक्त अभ्यास हुए हैं। उन्होंने कहा कि लाल सागर में हुती विद्रोहियों के हमलों से नौवहन को उत्पन्न खतरे को लेकर भारत चिंतित है। लाल सागर रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। भारत और पश्चिम एशिया के बीच प्रस्तावित आईएमईसी (भारत-पश्चिम एशिया परिवहन कोरिडोर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के उत्तर में उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया के घटनाक्रम से इसपर असर पड़ा है लेकिन संबंधित देश इस परियोजना पर विचार-विमर्श करते रहे हैं।

भारत की चिंता के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास रद्द किया

नई दिल्ली
भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान के साथ नौसैनिक अभ्यास रद्द कर दिया है। यह अभ्यास श्रीलंका के त्रिंकोमाली तट पर किया जाना था। भारत ने पाकिस्तानी नौसेना के चीन की पीएलए नौसेना के साथ घनिष्ठ सहयोगऔर त्रिंकोमाली में पाकिस्तानी युद्धपोतों की यात्रा को लेकर श्रीलंका के सामने चिंता जताई थी। त्रिंकोमाली श्रीलंका के उत्तर पूर्वी तट पर स्थित है और इसे भारत के समुद्री सुरक्षा हितों के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 04 अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने भारत की वित्तीय सहायता से पूरी हुई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी की इस यात्रा से पहले श्रीलंका और पाकिस्तान की नौसेनाओं ने अपनी नियमित गतिविधियों के अनुरूप त्रिंकोमाली के तट पर अभ्यास करने की योजना बनाई थी। इसकी जानकारी मिलने पर भारत ने प्रस्तावित अभ्यास पर श्रीलंका के सामने अपनी चिंताएं रखी थीं। भारत का कहना था कि पाकिस्तान और श्रीलंका की नौसेनाओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और दोनों देशों के युद्धपोत युद्धाभ्यास के अलावा नियमित रूप से एक-दूसरे के बंदरगाहों पर जाते हैं। भारत ने इस बात पर भी चिंता जताई थी कि अगस्त, 2022 में हंबनटोटा बंदरगाह पर चीनी मिसाइल और उपग्रह ट्रैकिंग जहाज 'युआन वांग' के डॉकिंग ने श्रीलंका कूटनीतिक विवाद को जन्म दिया था। इसके बाद अगस्त, 2023 में कोलंबो बंदरगाह पर डॉक किए गए एक अन्य चीनी युद्धपोत ने भी नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा की थीं। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में भारत त्रिंकोमाली के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को विकसित करने में श्रीलंका को सहायता देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
हालांकि, श्रीलंका या पाकिस्तान की ओर से इस योजना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन श्रीलंकाके सामने भारत की ओर से चिंता जताए जाने के बाद यह योजना आगे नहीं बढ़ पाई।

'आहार ही औषधि है' का मंत्र स्वीकार कर आज पूरा विश्व आगे बढ़ रहा है : अमित शाह

नई दिल्ली
केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में विश्व यकृत दिवस के अवसर पर कहा कि हमारे वेदों में कहा गया है कि आहार ही औषधि है और आज इस थीम को स्वीकार कर पूरा विश्व आगे बढ़ रहा है।
गृहमंत्री शाह ने आज इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) द्वारा आयोजित 'स्वस्थ लिवर-स्वस्थ भारत'

कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। गृहमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए अपने बेहतर स्वास्थ्य का श्रेय नियमित व्यायाम, उचित नींद और आहार को दिया। उन्होंने युवाओं से बेहतर भविष्य के लिए शारीरिक गतिविधि और आराम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मई 2020 से उनके जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। शाह ने कहा शरीर की आवश्यकता के अनुसार जल, आहार, व्यायाम और नींद से उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है।

ईवीएम पर आरोप लगाने वाला पुलिसकर्मी नहीं था चुनाव ड्यूटी पर: चुनाव आयोग

नई दिल्ली
ईवीएम से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पुलिसकर्मी के खिलाफ महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज की गई है। चुनाव आयोग की जांच में सामने आया था कि पुलिसकर्मी महाराष्ट्र में चुनावों के दौरान चुनावी ड्यूटी पर नहीं था। आयोग का कहना है कि पुलिसकर्मी पहले से निलंबित और नाराज चल रहा है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर महाराष्ट्र के बीड में सब-इंस्पेक्टर रंजीत कासले का एक वीडियो साझा किया। 17 अप्रैल को कासले ने आरोप लगाया था कि चुनावों के दौरान उनके सामने ईवीएम से छेड़छाड़ की गई और उसे मुंह बंद रखने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए गए।

अगर सुप्रीम कोर्ट कानून बनाएगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए: निशिकांत

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के निर्देश के बाद लगातार रूप से इस मामले में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच अब इस मामले में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। बता दें कि दुबे की यह टिप्पणी वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर चल रही सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और राष्ट्रपति को विधेयकों पर समय से फैसला लेने के कोर्ट के निर्देश के

बाद आई है। हालांकि विपक्ष लगातार रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले की सराहना कर रहा है।
कांग्रेस सांसद ने किया पलटवार
निशिककांत दुबे के बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दुबे का बयान अपमानजनक है और यह सुप्रीम कोर्ट जैसे सम्मानित संस्थान पर सीधा हमला है। टैगोर ने कहा कि निशिकांत दुबे अक्सर देश की संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश करते हैं।
उन्होंने कहा कि अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को निशाना बनाया है। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के जज इस पर ध्यान देंगे, क्योंकि यह बयान संसद के बाहर दिया गया है। साथ ही टैगोर ने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट पर इस तरह की टिप्पणी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जा सकती।
इससे पहले उपराष्ट्रपति ने जाहिर की थी चिंता
गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और 'सुपर संसद' के रूप में काम करेंगे। उपराष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का जिक्र किया, जिसमें राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय की गई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है। इतना ही नहीं धनखड़ ने हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि अपने जीवन में मैंने ऐसे दिन की कल्पना नहीं की थी। उन्होंने कहा था कि 'राष्ट्रपति देश का सबसे सर्वोच्च पद है। राष्ट्रपति संविधान की सुरक्षा की शपथ लेते हैं।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

नई दिल्ली
भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397